राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 05 जून 2025 वर्ष-8,अंक-106 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

उत्तराखंड में धामी कैबिनेट ने दी 12 अहम प्रस्तावों को मंजूरी

हर वर्ग से जुड़ा हुए हैं प्रस्ताव

देहरादून।

उत्तराखंड में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में बुधवार को कैबिनेट बैठक हुई। जिसमें कुल 12 अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इन फैसलों का सीधा असर राज्य के शहरी गरीबों, सरकारी कर्मचारियों, वाहन मालिकों और पर्यटन क्षेत्र पर पड़ेगा। शहरी विकास के तहत फैसला हुआ कि विभाग में कार्यरत 800 से अधिक पर्यावरण मित्रों को अब मृतक आश्रित कोटे में शामिल किया जाएगा। यह फैसला सफाईकर्मियों और उनके परिवारों के लिए राहतभरा साबित होगा। इसके साथ ही पुराने वाहनों को लेकर भी कैबिनेट में बड़ा फैसला किया है। धामी सरकार ने तय किया है कि अब पुराने वाहनों को सीएनजी में बदलने की सुविधा मिलेगी। साथ ही यदि कोई वाहन स्क्रैप किया जाता है, तब वाहन स्वामी को सेमी अकाउंट के माध्यम से धनराशि प्राप्त होगी। इसके अलावा हाइब्रिड और बैट्री प्लस पेट्रोल गाड़ियों को टैक्स में छूट देने का भी निर्णय हुआ है, जो निजी वाहन मालिकों के लिए लाभकारी साबित होगा।

राज्य में अब वर्दीधारी पदों जैसे कि कांस्टेबल और सब इंस्पेक्टर की भर्तियों के लिए अलग-अलग परीक्षाएं नहीं होंगी। सभी के लिए एक ही लिखित परीक्षा होगी। इससे चयन प्रक्रिया तेज और पारदर्शी हो सकेगी। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) के ढांचे में बदलाव करते हुए 15 नए पदों को स्वीकृति दी गई है। इसमें 1 स्थायी और 14 अस्थायी पद शामिल हैं। साथ ही मानवाधिकार आयोग में भी 12 नए पद अधिसूचित किए गए हैं। पर्यटन विभाग के 4 बड़े प्रस्तावों पर कैबिनेट की मुहर लगी है। बद्रीनाथ में मास्टर प्लान के तहत शेष मित्र लोटस वॉल, अराइवल प्लाज़ा, ट्री एंड रिवर कल्चर, और सुदर्शन चक्र की सांस्कृतिक स्थापत्य योजना को सीएसआर फंड के माध्यम से पूरा किया जाएगा। यदि फंडिंग नहीं होती है, तब काम राज्य या केंद्र सरकार द्वारा कराया जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रात भर मिनट-टू-मिनट अपडेट लेते रहे पीएम मोदी

केंद्रीय मंत्री डॉ.जितेंद्र सिंह ने बताया उस रात का पूरा सच

नई दिल्ली।

केंद्रीय मंत्री डॉ.जितेंद्र सिंह ने बताया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रात भर स्थिति पर नजर बनाए हुए थे। पाकिस्तान की परमाणु ब्लैकमेल की कोशिशों ने आतंकवाद के खिलाफ उनके संकल्प को और मजबूत किया है। भारत ने 6 और 7 मई की रात को पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी ठिकानों पर हमला किया था। पीएमओ में मंत्री सिंह ने बताया है कि जब 7 मई की रात को भारत ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर हमला किया, पीएम मोदी रात भर पल-पल की खबर ले रहे थे। सिंह ने कहा, जब यह स्थिति आई, आपको पता है, उन्होंने अपना दौरा बीच में ही रोक दिया, रात भर मिनट-दर-मिनट निगरानी कर रहे थे। मुझे नहीं लगता कि घबराहट वह जानते हैं, क्योंकि उनके पास बहुत अच्छी तरह से विकसित संयम है। मंत्री सिंह ने कहा कि पीएम मोदी ज्यादातर रात में काम करते हैं। स्थिति के तनावपूर्ण हो जाने और संघर्ष के बढ़ने को लेकर पीएम मोदी के फैसले लेने के तरीके पर कहा, उनकी वजह से, कहानी बदल गई है। क्योंकि पहली बार रक्षा बलों को अपनी व्यक्तिगत बुद्धि और विवेक के आधार पर निर्णय लेने की स्वतंत्रता है, जो पहले कभी नहीं हुआ था। उन्होंने कहा, उनके पास दिमाग की बहुत स्पष्टता है। दूसरा, वह बहुत निर्णायक हैं और उनके फैसले भी तेजी से होते हैं।

केदारनाथ धाम में भारी बारिश और बर्फबारी से यात्रा रोकी गई, श्रद्धालुओं को रास्ते में रोका

देहरादून।

उत्तराखंड के केदारनाथ धाम में भारी बारिश और बर्फबारी के चलते गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर खतरा बढ़ गया है। पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश और बर्फबारी की वजह से पथरीली चट्टानों के गिरने की घटनाएं सामने आई हैं। इसके चलते चारधाम यात्रा के तहत केदारनाथ की यात्रा को फिलहाल रोक दिया गया है। जानकारी अनुसार गौरीकुंड से केदारनाथ तक के 19 किमी पैदल मार्ग पर जगह-जगह भूस्खलन और चट्टानें गिरने की घटनाएं हुई हैं। डीडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीमें तैनात हैं और रास्ते के अवरोधों को दूर करने और साफ करने का काम जारी है। श्रद्धालुओं को अस्थायी शिविरों में रोका गया है, प्रशासन ने अलाव और चिकित्सा की व्यवस्था की है। मौसम विभाग ने 6 जून तक के लिए अलर्ट जारी किया है, तेज गर्जना व बारिश की चेतावनी दी गई है। केदारनाथ घाटी में तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई, इस प्रकार ठंड ने फिर से दस्तक दे दी है।

बाबा केदार की नगरी बर्फ की चादर में लिपटी

केदारनाथ धाम की पहाड़ियां इस वक्त बर्फ की सफेद चादर में लिपटी हुई हैं। धुंध व कोहरा लगातार बना हुआ है। ऐसे में श्रद्धालु जहां एक ओर भोलेनाथ के दर्शन का सौभाग्य पा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उन्हें प्राकृतिक आपदा जैसी कठिन परिस्थितियों का भी सामना करना पड़ रहा है। इसे देखते हुए प्रशासन ने अपील की है कि मौसम को देखते हुए और अपडेट लेकर ही यात्रा करें। उत्तराखंड मौसम विभाग और प्रशासन ने चारधाम यात्रियों से अपील की है कि यात्रा पर निकलने से पहले मौसम का अपडेट जरूर लें। भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में सतर्कता बरतें। प्रशासन द्वारा दी गई निर्देशों का पालन करें और सहयोग करें।

मौसम विभाग ने उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर, पिथौरागढ़, टिहरी, देहरादून, पौड़ी और अल्मोड़ा जिलों में अलर्ट

जारी किया है। इन जिलों में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना जताई गई है। इसी के साथ कहा गया है चारधाम यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं के लिए यह समय सावधानी बरतने का है। प्राकृतिक आपदा के जोखिम के बीच सुरक्षा सर्वोपरि है। प्रशासन राहत कार्य में लगा है और जैसे ही मौसम साफ होगा, यात्रा फिर से बहाल कर दी जाएगी।

देश के 27 राज्यों में फैला कोरोना का नया वैरिएंट, एडवाइजरी जारी

अस्पतालों में मॉक ड्रिल के आदेश, मास्क पहनना किया अनिवार्य

नई दिल्ली।

देश में कोरोना मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। मंगलवार को 300 नए केस सामने आए थे। सबसे ज्यादा गुजरात में 108 और महाराष्ट्र में 86 मामले सामने आए। इस तरह देश में सक्रिय केसों की संख्या 4302 हो गई है। कोरोना 27 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में अपने पैर पसार चुका है। हालांकि 9 राज्यों में अब तक एक भी मामला सामने नहीं आया है। सबसे ज्यादा 1373 एक्टिव केस केरल में हैं। वहीं महाराष्ट्र 510 केसों के साथ दूसरे नंबर है। कोरोना के नए वैरिएंट्स से देश में जनवरी से अब तक 44 मौतें हो चुकी हैं। इनमें से 37 मरीजों की मौत बीते 5 दिन में हुई है। महाराष्ट्र में मंगलवार को 4 मरीजों की मौत हो गई। राज्य में मरने वाला की संख्या 14 हो गई है।

इसके अलावा बीते दिन दिल्ली, गुजरात और तमिलनाडु में भी 1-1 मौत हो चुकी है। हिमाचल प्रदेश में मंगलवार को कोरोना का पहला मामला सामने आया था। इसके बाद राज्य सरकार ने देर रात एडवाइजरी जारी कर सभी हॉस्पिटल में मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया है। वहीं केरल सरकार ने नई गाइडलाइन जारी कर सभी सरकारी और प्राइवेट हॉस्पिटल को मॉक ड्रिल कराने का आदेश दिया है। देश में कोरोना के सबसे ज्यादा सक्रिय केस केरल राज्य में हैं। इसको देखते हुए राज्य सरकार ने बुधवार को हॉस्पिटल और हेल्थ वर्कर्स के लिए गाइडलाइंस जारी की है। इसके तहत राज्य के सभी हॉस्पिटल्स में मॉक ड्रिल होगी। इस दौरान कोरोना से बचाव के तरीकों को बताया जाएगा। साथ ही सर्दी, जुकाम, खांसी और बुखार जैसे लक्षण वाले मरीजों का कोविड टेस्ट अनिवार्य कर दिया है। हॉस्पिटल में मास्क लगाने के बाद ही एंट्री मिलेगी। केंद्रीय स्वास्थ्य और आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग और आयुष मंत्रालय पूरी तरह से सतर्क है। सभी राज्यों के हालात पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि पिछली कोविड लहरों के दौरान बने ऑक्सीजन प्लांट, आईसीयू बेड जैसी चीजों की समीक्षा हो चुकी है। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं।

लुधियाना में उप-चुनाव, कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की सूची में गायब नवजोत सिंह सिद्धू

लुधियाना।

पंजाब के लुधियाना में 19 जून को उप-चुनाव होना है। इससे पहले अपने उम्मीदवार को मजबूत करने और उसके पक्ष में चुनाव प्रचार करने के लिए कांग्रेस हाईकमान ने स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है। इस सूची में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू का नाम नहीं है। सिद्धू कांग्रेस पार्टी के बड़े वक्ता है। उनका स्टार प्रचारकों में नाम न होने से चर्चाओं का दौर शुरु हो गया है। वहीं सूची में सबसे ऊपर नाम भूपेश बघेल का है। वहीं दूसरी ओर राहुल गांधी के अमेठी से सांसद किशोरी लाल शर्मा भी उप-चुनाव में मोर्चा संभालने वाले है। किशोरी लाल ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री और कलाकार स्मृति ईरानी को हराया। वहीं किशोरी खुद भी लुधियाना में कांग्रेस की सेवा कर चुके है। उनका लुधियाना से जमीनी नाता है। किशोरी लाल का परिवार अभी भी लुधियाना में ही रहता है। कांग्रेस उम्मीदवार भारत भूषण आशू के पक्ष में कुल 40 स्टार प्रचारक उप चुनाव में प्रचार के लिए आ रहे है। इन स्टार प्रचारकों में मुख्य चेहरे सचिन पायलट, मनीष तिवारी, अदाकार राज बबर, मोहम्मद सदीक और कन्हैया कुमार है। हिमाचल के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू और डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री का नाम भी लिस्ट में शामिल किया गया है। वहीं प्रदेश प्रधान अमरिंदर सिंह राजा, वड़िंग प्रताप सिंह बाजवा, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, सुखपाल सिंह खैहरा आदि के नाम भी प्रमुख है।

राष्ट्रद्रोह वाद में कंगना रणौत को फिर नोटिस जारी, 30 जून को होगी अगली सुनवाई

आगरा।

भाजपा सांसद एवं फिल्म अभिनेत्री कंगना रणौत के खिलाफ अधिवक्ता ने राष्ट्रद्रोह वाद दायर किया था। एमपी-एमएलए कोर्ट अनुज कुमार सिंह छह मई को खारिज कर दिया था। वादी अधिवक्ता ने सत्र न्यायालय में रिवीजन किया। जिला जज संजय कुमार मलिक ने फिर से कंगना को नोटिस जारी करने के आदेश दिए। 30 जून को अगली सुनवाई होगी। राजीव गांधी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने किसानों पर अभद्र टिप्पणी और स्वतंत्रता सेनानियों के अपमान का आरोप लगाकर 11 सितंबर, 2024 को कंगना रणौत के खिलाफ कोर्ट में वाद दायर किया था। कोर्ट ने कंगना रणौत को पक्ष रखने के लिए हिमाचल प्रदेश स्थित कुल्लू मनाली और दिल्ली के पते पर तीन नोटिस भेजे थे। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद कोर्ट ने वाद खारिज कर दिया था। कहा था कि वादी अधिवक्ता के परिवार से किसानों के धरने में कोई मौजूद नहीं था। वाद प्रस्तुत करने से पहले भी राज्य सरकार, जिलाधिकारी से अनुमति नहीं ली थी। अगली सुनवाई 30 जून को होगी।

आज अयोध्या में राजा राम के साथ अन्य देवी-देवताओं के 5 मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा

अभीजित मुहूर्त में 101 वैदिक आचार्य की मौजूदगी में होगा कार्यक्रम

अयोध्या।

प्रभु राम की नगरी अयोध्या में स्थित राम मंदिर में द्वितीय प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन शुरू हो गया है। 5 जून को गंगा दशहरा के मौके पर अभीजित मुहूर्त में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम पूरा होगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने बताया कि मंदिर परिसर के प्रथम तल पर स्थित राम दरबार और अन्य देवी-देवताओं के 5 मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा 3 से 5 जून के बीच संपन्न होगी। मुख्य कार्यक्रम 5 जून को किया जाएगा, जब सभी देवी देवता अपने अपने भवन में विराजमान हो जाएगें। बता दें कि इससे पहले साल 2024 में 22 जनवरी को प्रभु श्रीराम बाल स्वरूप में स्थापित हुए थे। अब दूसरी प्राण-प्रतिष्ठा में भगवान राम राजा के रूप में स्थापित किए जाएंगे। राम दरबार सहित अन्य 7 देवी देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा का मुहूर्त कांची कामकोटि शंकराचार्य स्वामी विजयेन्द्र सरस्वती ने निकाला था। उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा के लिए गंगा दशहरा के दिन 5 जून को सर्वश्रेष्ठ बताया। इस दिन दोपहर 11 बजकर 25 मिनट पर निर्धारित किया गया है। इसके पश्चात लगभग एक बजे भोग आरती संपन्न होगी। यह आयोजन वैदिक विधानों के अनुरूप तीर्थराज प्रयाग, काशी, देवप्रयाग, हरिद्वार,

अयोध्या और अन्य धार्मिक स्थलों से आमंत्रित 101 ऋत्विजों की उपस्थिति में संपन्न होगा। बता दें कि 5 जून को गंगा दशहरा का पावन पर्व भी है और संयोगवश यह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन भी है। पूरे आयोजन में वैदिक रीति से पूजा-पाठ कराने के लिए देशभर से आए कुल 101 वैदिक आचार्य भाग ले रहे है। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रमों की शुरुआत प्रतिदिन प्रातः 6-30 बजे से हो रही है। जिन मूर्तियों की स्थापना होगी, उनका पंचगव्य से स्नान करवाकर शुद्धिकरण किया जा चुका है। दरअसल मूर्ति को छेनी, हथौड़े से तराशा जाता है, जिससे उन पर चोट लगती है। चोट लगने की वजह से मूर्तियों से माफी मांगी जाती है। इसलिए वैदिक विधि विधान के साथ मूर्तियों का शुद्धिकरण होता है। अब 5 जून दिन गुरुवार को नियम व संयम के साथ प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम पूरा होगा।

पॉक्सो कोर्ट ने धर्मांतरण गैंग की मुख्य आरोपी की जमानत याचिका खारिज की

अजमेर।

अजमेर की पॉक्सो कोर्ट ने बिजयनगर रेप-ब्लैकमेल कांड में धर्मांतरण गैंग की मुख्य कड़ी पूर्व पार्षद हकीम कुरैशी की जमानत याचिका खारिज कर दी। पॉक्सो कोर्ट ने टिप्पणी में कहा कि नाबालिग लड़की पर रोजा रखने और कलमा पढ़ने का दबाव बनाना, उनकी पसंद के कपड़े पहनने और आरोपियों के साथ जाने को मजबूर करना गंभीर प्रकृति का अपराध है। कोर्ट ने कहा कि हकीम कुरैशी ने पीड़िता को डरा-धमकाकर आरोपी सोहेल मंसूरी के साथ भेजने का षड्यंत्र रचा था। आरोपी ने कहा था कि पीड़िता के 18 साल की होने पर सोहेल लड़की को भगाकर निकाह कर लेगा। उस पर हिंदू धर्म छोड़कर इस्लाम अपनाने के लिए भी दबाव बनाया गया। पॉक्सो कोर्ट के विशिष्ट लोक अभियोजक (सरकारी वकील) प्रशांत यादव ने बताया- 5 अन्य आरोपियों ने भी जमानत याचिकाएं दायर की हैं। इनमें तीन नाबालिग और दो बालिग हैं। इन सभी की सुनवाई के लिए अलग-अलग तारीखें तय की गई हैं। एक नाबालिग आरोपी की जमानत याचिका पर गुरुवार को सुनवाई होगी।

असम में भारी बारिश से बाढ़ की स्थिति गंभीर, 6.5 लाख से अधिक लोग प्रभावित

गुवाहाटी।

असम में जारी भारी बारिश के चलते बाढ़ की स्थिति बुधवार को और गंभीर हो गई, जिससे राज्य के कई हिस्से जलमग्न हो गए हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, अब तक करीब 6.5 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं, जबकि 6 और लोगों की जान चली गई है। इस वर्ष बाढ़ और भूस्खलन से मृतकों की कुल संख्या 17 पहुंच गई है।

ब्रह्मपुत्र नदी सहित सात प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। गुवाहाटी स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) ने आने वाले दिनों में भी भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना जताई है।

इसके साथ ही कुछ जिलों में 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं और गरज-चमक के साथ बारिश की चेतावनी भी दी गई है।

अतिवर्षा के कारण हैलाकांडी, श्रीभूमि, मोरीगांव, कछार, सोनितपुर, तिनसुकिया, बारपेटा, बोंगाईगांव, नलबाड़ी, ग्वालपारा, बक्सा समेत कुल 21 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। विस्तृत जानकारी अनुसार 69 राजस्व क्षेत्र प्रभावित हुए हैं, जबकि 1,506 गांव जलमग्न बताए गए हैं और इससे 6,33,114 लोग प्रभावित हुए हैं। 223 राहत शिविर में 39,746 लोग आश्रित हैं। सहायता के लिए 288 राहत वितरण केंद्र सक्रिय हैं।

एएसडीएमए अधिकारियों के अनुसार, राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। प्रभावितों को राशन, पीने का पानी और चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने शाहदरा जमीन पर गुरुद्वारे को दिया अधिकार, वक्फ बोर्ड की याचिका को किया खारिज

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण निर्णय में दिल्ली वक्फ बोर्ड की याचिका को खारिज करते हुए शाहदरा स्थित विवादित जमीन को गुरुद्वारे के अधिकार में दे दिया है। वक्फ बोर्ड का दावा था कि इस जमीन पर पहले एक मस्जिद 'तकिया बाबर शाह' हुआ करती थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अब जब वहां वर्षों से एक गुरुद्वारा स्थापित है और धार्मिक गतिविधियाँ सुचारू रूप से चल रही हैं, तो वक्फ बोर्ड को अपना दावा छोड़ देना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट के जज न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा, कि यह कोई किसी तरह का ढांचा नहीं, बल्कि एक सुचारू रूप से कार्यरत गुरुद्वारा है। एक धार्मिक स्थल कार्य कर रहा है, तो उसे वहीं रहने दें। इस पर वक्फ बोर्ड की ओर से तर्क देते हुए वक्फ बोर्ड के वकील संजय घोष ने कहा, कि निचली अदालतों ने माना था कि गुरुद्वारे से पहले वहां एक मस्जिद थी। वह वक्फ की संपत्ति थी, यानी धार्मिक उद्देश्यों के लिए दान की गई ज़मीन। यही वजह थी कि वक्फ बोर्ड ने इस संपत्ति की वापसी के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।

प्रतिवादी का तर्क और पृष्ठभूमि

प्रतिवादी पक्ष ने दलील दी कि यह जमीन 1953 में मोहम्मद अहसान द्वारा बेच दी गई थी, और उसके बाद कब्जा भी हो गया। हालांकि, उक्त बिक्री के कोई ठोस दस्तावेज कोर्ट में नहीं पेश किए जा सके। मामला जब सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो कोर्ट ने वक्फ बोर्ड से अपनी याचिका

वापस लेने की सलाह दी। अदालत ने दो टूक कहा कि सिर्फ यह कहना कि पहले मस्जिद थी, पर्याप्त नहीं है, जब तक कि दावे को ठोस साक्ष्यों के साथ साबित न किया जाए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की जटिल पर्यावरण समस्या

(लेखक- ललित गर्ग)

1973 से संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के नेतृत्व में पर्यावरण जागरूकता के लिए यह दिवस सबसे बड़ा वैश्विक अभियान बन गया है, जो आज की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए 150 से अधिक देशों के विशाल वैश्विक दर्शकों को शामिल करता है। गत वर्ष इस दिवस की मेजबानी करते हुए सऊदी अरब ने भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए सकारात्मक प्रयासों का जश्न मनाया और पर्यावरण के मुद्दों पर काम करने वाले निजी और परोपकारी संगठनों के लिए अधिक समर्थन और वित्त पोषण की घोषणा की।

बढ़ते तापमान, बदलते जलवायु एवं ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। इंसानों को प्रकृति, पृथ्वी एवं पर्यावरण के प्रति सचेत करने के लिये विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को मनाया जाता है, जो पर्यावरण, प्रकृति एवं पृथ्वी के लिए सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय दिवस है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोज्य यह दिवस दुनिया भर के लाखों लोगों को हमारे ग्रह की सुरक्षा और पुनर्स्थापना के साझा मिशन के साथ एकजुट करता है। बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की एक गंभीर एवं जटिल समस्या है, इसीलिये 2025 में इस दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने पर केंद्रित है। कोरिया गणराज्य वैश्विक समारोह की मेज़बानी करेगा। दशकों से प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया के हर कोने में फैल चुका है, यह हमारे पीने के पानी, हमारे खाने, हमारे शरीर, हमारे पर्यावरण में समा रहा है। इस प्लास्टिक कचरे की गंभीर समस्या से निपटने का एक वैश्विक संकल्प निश्चित ही एक समाधान की दिशा बनेगा। हर साल 430 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है, जिसमें से लगभग दो-तिहाई केवल एक बार उपयोग के लिए होता है और जल्दी ही फेंक दिया जाता है।

1973 से संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के नेतृत्व में पर्यावरण जागरूकता के लिए यह दिवस सबसे बड़ा वैश्विक अभियान बन गया है, जो आज की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए 150 से अधिक देशों के विशाल वैश्विक दर्शकों को शामिल करता है। गत वर्ष इस दिवस की मेजबानी करते हुए सऊदी अरब ने भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए सकारात्मक प्रयासों का जश्न मनाया और पर्यावरण के मुद्दों पर काम करने वाले निजी और परोपकारी संगठनों के लिए अधिक समर्थन और वित्त पोषण की घोषणा की। यह सर्वविदित है कि इंसान व प्रकृति के बीच गहरा संबंध है। इंसान के लोभ, सुविधावाद एवं तथाकथित विकास की अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान पहुंचाया है, जिसके कारण न केवल नदियां, वन, रेगिस्तान, जलस्रोत सिकुड़ रहे हैं बल्कि ग्लेशियर भी पिघल रहे हैं, तापमान का 50 डिग्री पार करना जो विनाश का संकेत तो है ही, जिनसे मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है। इन वर्षों में बढ़ी हुई गर्मी एवं तापमान ने न केवल जीवन को जटिल बनाया बल्कि अनेक लोगों की जान भी गयी। पूरी दुनिया में बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है, संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र को मृत क्षेत्रों में बदल रहा है और मानव जीवन पर तरह-तरह के खतरे पैदा कर रहा है।

प्रकृति को पस्त करने, वायु एवं जल प्रदूषण, कृषि फसलों पर घातक प्रभाव, मानव जीवन एवं जीव-जन्तुओं के लिये जानलेवा साबित होने के कारण समूची दुनिया में बढ़ते प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक के कण एक बड़ी चुनौती एवं संकट है। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण-अध्ययन चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, प्रकृति, पर्यावरण, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी एक गंभीर संकट है। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इस तरह माइक्रोप्लास्टिक की दखल भोजन, हवा व पानी में होना न केवल प्रकृति, कृषि, पर्यावरण वरन मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी ही है। जिसे बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए और सरकारों को इस संकट से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये योजनाएं बनानी चाहिए, इसके लिये इस वर्ष की थीम से व्यापक बदलाव की संभावनाएं हैं।

माइक्रोप्लास्टिक हमारे वातावरण का एक हिस्सा बन चुके हैं। प्लास्टिक की बहुलता एवं निर्भरता के कारण मौत हमारे सामने मंडरा रही है। हम चाहकर भी प्लास्टिकमुक्त जीवन की कल्पना नहीं कर पा रहे हैं, प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों को देखते हुए विभिन्न देशों की सरकारों ने ठान लिया है कि सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए कोई जगह नहीं होगी। भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व में ही देश को स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्लास्टिक कचरे से मुक्त करने की अपील करते हुए एक महाभियान का शुभारंभ कर चुके हैं। प्लास्टिक के कारण देश ही नहीं, दुनिया में विभिन्न तरह की समस्याएं पैदा हो रही हैं। इसके सीधे खतरे दो तरह के हैं। एक तो प्लास्टिक में ऐसे बहुत से रसायन होते हैं, जो कैंसर का कारण माने जाते हैं। इसके अलावा शरीर में ऐसी चीज जा रही है, जिसे हजम करने के लिए हमारा शरीर बना ही नहीं है, यह भी कई तरह से सेहत की जटिलताएं पैदा कर रहा है। इसलिए आम लोगों को ही इससे मुक्ति का अभियान छेड़ना होगा, जागृति लानी होगी।

शोधकर्ताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 हजार प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। पिछली सदी में जब प्लास्टिक के विभिन्न रूपों का अविष्कार हुआ, तो उसे विज्ञान और मानव सभ्यता की बहुत बड़ी उपलब्धि माना गया था, अब जब हम न तो इसका विकल्प तलाश पा रहे हैं और न इसका उपयोग ही रोक पा रहे हैं, तो क्यों न इसे विज्ञान और मानव सभ्यता की सबसे बड़ी असफलता एवं त्रासदी मान लिया जाए? अमेरिका के जियोलॉजिकल सर्वे ने यहां बारिश के पानी के नमूने जमा किए। ये नमूने सीधे आसमान से गिरे पानी के थे, बारिश की वजह से सड़कों या खेतों में बह रहे पानी के नहीं। जब इस पानी का विश्लेषण हुआ, तो पता चला कि लगभग 90 फीसदी नमूनों में प्लास्टिक के बारीक कण या रेशे थे, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है। ये इतने सूक्ष्म होते हैं कि हम इन्हें आंखों से नहीं देख पाते। लगातार पांव पसार रही माइक्रोप्लास्टिक की तबाही इंसानी गफलत को उजागर तो करती रही है, लेकिन समाधान का कोई रास्ता प्रस्तुत नहीं कर पाई। ऐसे में अगर विश्व पर्यावरण दिवस पर प्लास्टिक के संकट का दूर करने की कुछ ठानी है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए। प्लास्टिक प्रदूषण की उससे भी ज्यादा खतरनाक एवं जानलेवा स्थिति है, यह एक ऐसी समस्या बनकर उभर रही है, जिससे निपटना अब भी दुनिया के ज्यादातर देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है। कुछ समय पहले एक खबर ऐसी भी आई थी कि एक चिड़ियाघर के दरियाई घोड़े का निधन हुआ, तो उसका पोस्टमार्टम करना पड़ा, जिसमें उसके पेट से भारी मात्रा में प्लास्टिक की थैलियां मिलीं, जो शायद उसने भोजन के साथ ही निगल ली थीं। कनाडाई वैज्ञानिकों द्वारा माइक्रोप्लास्टिक कणों पर किए गए विश्लेषण में चौंकाने वाले नतीजे मिले हैं। विश्लेषण में पता चला है कि एक वयस्क पुरुष प्रतिवर्ष लगभग 52000 माइक्रोप्लास्टिक कण केवल पानी और भोजन के साथ निगल रहा है। इसमें अगर वायु प्रदूषण को भी मिला दें तो हर साल करीब 1,21,000 माइक्रोप्लास्टिक कण खाने-पानी और सांस के जरिए एक वयस्क पुरुष के शरीर में जा रहे हैं। अमेजन एवं फिलीपकार्ट जैसे आनलाइन व्यवसायी प्रतिदिन 7 हजार किलो प्लास्टिक पैकेजिंग बैग का उपयोग केवल भारत में करते हैं। इन कम्पनियों को भी प्लास्टिकमुक्त दुनिया के घेरे में लेने के लिये कठोर कदम उठाने चाहिए। संकट का एक पहलू यह भी है कि लोग सुविधा को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन प्लास्टिक के दूरगामी घातक प्रभावों को लेकर आंख मूंद लेते हैं।

संपादकीय

जीवन बदले साक्षरता

निस्संदेह, भारत की साक्षरता का प्रतिशत करीब 81 फीसदी होना एक सराहनीय उपलब्धि व मील का पत्थर ही है। देश की आजादी के वक्त की साक्षरता स्थिति से इसकी तुलना करें तो इसे उपलब्धि की तौर पर देखा जाना चाहिए। किसी समाज में साक्षरता का स्तर उसकी प्रगति का आईना ही होता है। ये आंकड़े हमारे समाज की शिक्षा तक पहुंच में निरंतरता का पर्याय भी हैं। हालांकि, 2023-24 के आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण यानी पीएलएफएस के आंकड़ों से यह भी उजागर होता है कि सार्वभौमिक साक्षरता की ओर राष्ट्र का यह कदम निरंतर कई असमानताओं से भी बाधित है। खासतौर पर यह भेद लिंग और क्षेत्रीय आधार पर नजर आता है। उदाहरण के लिए देखें तो शहरी क्षेत्रों में साक्षरता की दर ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक है। जिसका मुख्य कारण शहर केंद्रित विकास को तरजीह व शिक्षा के लिये अनुकूल परिस्थितियों का होना भी है। आंकड़े बताते हैं कि शहरी भारत में साक्षरता की दर 88.9 है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में यह 77.5 फीसदी ही हो पायी है। निश्चित रूप से विभिन्न राज्यों में प्रतिध्वनित यह शहरी व ग्रामीण साक्षरता का अंतर शिक्षा के बुनियादी ढांचे, योग्य शिक्षकों की उपलब्धता और सीखने के अवसरों में असमानता को ही दर्शाता है। कमोबेश इसी प्रकार देश के विभिन्न राज्यों में लैंगिक असमानताएं भी नजर आती हैं। यह विडंबना की कही जाएगी कि कई राज्यों में लड़कियों की शिक्षा पर दशकों से नीतिगत स्तर ध्यान केंद्रित करने के बावजूद पुरुष साक्षरता महिला साक्षरता के मुकाबले कहीं आगे नजर आती है। निश्चित रूप से इसके मूल में सामाजिक रूढ़ियां, सामाजिक चेतना का अभाव व आर्थिक विकास की विसंगतियां निहित हैं। जिसके चलते लड़कियों को शिक्षा के पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाते। जटिल भौगोलिक परिस्थितियों के बीच स्कूलों की दूरी और आवागमन की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध न हो पाना भी महिला शिक्षा के प्रतिशत में गिरावट का कारक बनती है। इन तमाम कारणों को नये सिरे से संबोधित करने की जरूरत है। लेकिन वहीं कुछ राज्यों में लक्ष्यों पर केंद्रित अभियानों व शासन-प्रशासन की सक्रियता के सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। लक्षद्वीप, दिल्ली, तमिलनाडु और त्रिपुरा के परिणाम दर्शाते हैं कि जब शासन की सक्रियता, लोगों की पहुंच और सामुदायिक जुड़ाव एक साथ आते हैं तो कुछ भी संभव है। दरअसल, आर्थिक विसंगतियों से जूझते व सामाजिक व आर्थिक सुधारों को अमल में न ला सकने वाले राज्य साक्षरता के लक्ष्य राष्ट्रीय अनुपात में नहीं प्राप्त कर सके। सबसे कम साक्षरता दर वाले बिहार की स्थिति गरीबी,अपर्याप्त स्कूली शिक्षा, सांस्कृतिक कारकों व शिक्षा की राह में बाधा डालने वाली सामाजिक बाधाओं के जटिल अंतर्संबंध को रेखांकित करती है। यहां इन उत्साहजनक आंकड़ों के बावजूद कई सवाल हमारे सामने पैदा होते हैं। प्रश्न यह भी है कि हम किस तरह की साक्षरता विकसित कर रहे हैं? क्या शिक्षा की गुणवत्ता इस स्तर की है कि वो लोगों के जीवन में व्यापक बदलावों का कारक बन सके? बात सिर्फ आंकड़ों की नहीं है पड़ताल इस बात की भी की जानी चाहिए कि साक्षरता क्या वास्तव में प्रगतिशील सोच, नागरिक दायित्वों और आर्थिक जीवन में सार्थक रूप से भाग लेने की क्षमता विकसित करती है?

मां गंगा के अवतरण की याद दिलाता है गंगा दशहरा

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

भागीरथ की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने जिस दिन मां गंगा का धरती पर अवतरण किया,उस पवित्र दिन को गंगा दशहरा के रूप में मनाया जाता है। अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए भागीरथ गंगा को पृथ्वी पर लेकर आए थे।जिसके लिए उन्होंने कठिन तपस्या की थी। गंगा दशहरा पर हर वर्ष गंगा में आस्था की डुबकी लगाई जाती हैं। ऐसा कहते हैं कि इस दिन गंगा में स्नान करने से 10 प्रकार के पाप मिट जाते हैं।गंगा ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को हस्त नक्षत्र में धरती पर अवतरित हुई थी। इस साल ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 4 जून की रात 11 बजकर 54 मिनट पर शुरू हो रही है।ऐसे में उदया तिथि को ध्यान में रखते हुए 5 जून, गुरुवार को गंगा दशहरा मनाया जा रहा है।गंगा दशहरा पर सुबह 9 बजकर 14 मिनट पर सिद्धि योग है।इसके साथ ही इस दिन रवि योग और हस्त नक्षत्र भी है,जो दोपहर 1 बजकर 2 मिनट पर तैतिल करण रहेगा। गर करण योग दोपहर 2 बजकर 15 मिनट तक रहने वाला है।

गंगा में डुबकी लगाते समय 'ऊँ नमः शिवायै नारायण्यै दशहरायै गंगायै नमः' मंत्र का उच्चारण करना चाहिए। घर में नहाने के पानी में गंगाजल मिलाकर भी स्नान किया जा सकता हैं। गंगा दशहरा के दिन दान करने का विशेष महत्व बताया गया है। इस दिन दान-धर्म के कार्य करना बहुत ही शुभ माना जाता है। दशहरा का अर्थ 10 मनोविकारों के विनाश से है। ये दस मनोविकार हैं-क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी।जिनसे मुक्ति के लिए ज्ञान गंगा का स्नान करने से हम विकारमुक्त होकर पवित्र बन सकते है। राजा भागीरथ की कठोर तपस्या, उनके अथक प्रयास और परिश्रम से इसी दिन गंगा ब्रह्मा जी के कमंडल से निकलकर शिव की जटाओं में विराजमान हुई थी और शिवजी ने अपनी शिखा को खोल कर गंगा को धरती पर जाने की अनुमति दी थी। इसलिए गंगा के धरा अवतरण दिवस को गंगा दशहरा के नाम से जाना जाता है।

गंगा दशहरा के दिन प्रातः काल गंगा में स्नान करके मां गंगा की आरती करने से समस्त पापों का विनाश हो जाने की धार्मिक मान्यता है। गंगा का जल हमेशा पवित्र व गुणकारी होता है,उसमें कभी भी कीड़े नहीं पड़ते और इसका जल प्रदूषित नहीं होता । इसलिए इस जल में स्नान करने से रोगों का विनाश हो जाता है।

गंगा दशहरा के दिन स्नान, ध्यान और तर्पण करने से शरीर शुद्ध और मानसिक विकारों से मुक्त हो जाता है।अमृत दायिनी मां गंगा के स्पर्श मात्र से ही चराचर जीवो के पापों का अंत हो जाता है और उसे मुक्ति मिल जाती है। कहते है कि एक बार महाराज सगर ने एक बड़ा यज्ञ किया। उस यज्ञ की रक्षा का भार उनके पौत्र अंशुमान ने संभाला। इंद्र ने सगर के यज्ञीय अश्व का अपहरण कर लिया। यह यज्ञ के लिए विघ्न था। परिणाम स्वरूप अंशुमान ने सगर की साठ हजार प्रजा लेकर अश्व को खोजना शुरू कर दिया। सारा भूमंडल खोज लिया पर अश्व नहीं मिला।फिर अश्व को पाताल लोक में खोजने के लिए पृथ्वी को खोदा गया। खुदाई पर उन्होंने देखा कि साक्षात भगवान महर्षि कपिल के रूप में तपस्या कर रहे हैं। उन्हीं के पास महाराज सगर का अश्व घास चर रहा है। प्रजा उन्हें देखकर चोर-चोर चिल्लाने लगी।

महर्षि कपिल की समाधि टूट गई। ज्यों ही महर्षि ने अपने आग्नेय नेत्र खोले, त्यों ही सारी प्रजा भस्म हो गई। इन मृत लोगों के उद्धार के लिए ही महाराज दिलीप के पुत्र भगीरथ ने कठोर तपस्या की थी।भगीरथ की तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा ने उनसे वर मांगने को कहा तो भगीरथ ने गंगा की मांग की।इस पर ब्रह्मा ने कहा- राजन! तुम गंगा का पृथ्वी पर अवतरण तो चाहते हो? परंतु क्या तुमने पृथ्वी से पूछा है कि वह गंगा के भार तथा वेग को संभाल पाएगी? मेरा विचार है कि गंगा के वेग को संभालने की शक्ति केवल भगवान शंकर में है। इसलिए उचित यह होगा कि गंगा का भार एवं वेग संभालने के लिए भगवान शिव का अनुग्रह प्राप्त कर लिया जाए।

महाराज भगीरथ ने वैसा ही किया। उनकी कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्माजी ने गंगा की धारा को अपने कमंडल से छोड़ा। तब भगवान शिव ने गंगा की धारा को अपनी जटाओं में समेटकर जटाएं बांध लीं। इसका परिणाम यह हुआ कि गंगा को जटाओं से बाहर निकलने का पथ नहीं मिल सका।अब महाराज भगीरथ को और भी अधिक चिंता हुई। उन्होंने एक बार फिर भगवान शिव की घोर तपस्या शुरू की। तब कहीं जाकर भगवान शिव ने गंगा की धारा को मुक्त करने का वरदान दिया। इस प्रकार शिवजी की जटाओं से छूट कर गंगाजी हिमालय की घाटियों में कल-कल निनाद करके मैदान की ओर आई।इस प्रकार भगीरथ पृथ्वी पर गंगा का वरण करके बड़े भाग्यशाली हुए। उन्होंने जनमानस को अपने पुण्य से उपकृत कर दिया। युगों-युगों तक बहने वाली गंगा की धारा महाराज भगीरथ की साधना की गाथा कहती है। गंगा प्राणीमात्र को जीवनदान ही नहीं देती, मुक्ति भी देती है। इसी कारण भारत तथा विदेशों तक में गंगा की महिमा गाई जाती है और गंगा के अवतरण की याद में गंगा दशहरा मनाया जाता है।

(चिंतन- मनन)

सच्चा पुरुषार्थ

यह बात उन दिनों की है जब स्वामी विवेकानंद की चर्चा दुनिया भर में फैल चुकी थी। उनके विचारों को लेकर हर जगह विचार-विमर्श चल रहा था। उन्हें एक आदर्श के रूप में स्थापित होता देख एक विदेशी महिला बहुत प्रभावित हुई। उसने स्वामी विवेकानंद से विवाह करने का मन बना लिया। बस, इसके बाद वह हरदम उन्हीं के बारे में सोचती रहती। संयोग से एक दिन स्वामी विवेकानंद एक सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे तो उसने उनसे मिलने की ठान ली। वह किसी तरह उसी स्थान पर जा पहुंची जहां सम्मेलन हो रहा था।

महिला स्वामी जी के समीप जाकर निर्भीकता से बोली,स्वामी जी, मैं आपसे विवाह करना चाहती हूं। स्वामी विवेकानंद ने उससे पूछा,क्यों, विवाह तुम आखिर मुझसे ही क्यों करना चाहती हो? क्या तुम यह नहीं जानती कि मैं तो एक संन्यासी हूं? महिला ने पूरी विनम्रता से कहा,देखिए, बात ये है कि मैं आपके जैसा ही गौरवशाली, सुशील और तेजमय पुत्र चाहती हूं। और वह तो तभी संभव होगा जब आप मुझसे विवाह करेंगे।

यह सुनकर स्वामी विवेकानंद ने उत्तर दिया, देखो, हमारी शादी तो संभव नहीं है, परंतु एक उपाय अवश्य है। महिला बोली,कैसा उपाय? स्वामी विवेकानंद बोले,आज से मैं ही आपका पुत्र बन जाता हूं और आप मेरी मां बन जाएं। आपको मेरे जैसा पुत्र मिल जाएगा। विवेकानंद की यह बात सुनकर विदेशी महिला उनके चरणों पर गिर पड़ी और बोली,स्वामी जी, सचमुच आप साक्षात ईश्वर के रूप हैं। इसे कहते हैं पुरुष और ये होता है पुरुषार्थ। सच्चा पुरुषार्थ तभी होता है जब पुरुष नारी के प्रति अपने मन में पुत्र जैसा भाव ला सके और उसमें मातृत्व की भावना उत्पन्न कर सके।

विचार मंथन

कोरोना महामारी के मोर्चे पर सरकार की तैयारियां?

(लेखक- सनत जैन)

भारत में एक बार फिर कोरोना संक्रमण की रफ्तार तेज़ हो गई है। केवल 13 दिनों में संक्रमण के मामले 257 से बढ़कर 4026 तक पहुंच गए हैं। इसमे सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है, सरकार की ओर से इस बार कोई ठोस गाइडलाइन या रणनीति सामने नहीं आई है। अस्पतालों में कोविड वार्ड नदारद हैं। ऑक्सीजन सिलेंडरों की किल्लत फिर हो सकती है। पहले से ही जर्जर स्वास्थ्य ढांचा चरमराने की कगार पर है। पीएम केयर फंड के माध्यम से जो अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट लगवाए गए थे, वे बंद पड़े हुए हैं। सरकार की ओर से अभी तक कोरोना के वायरस और इलाज को लेकर कोई गाइडलाइन जारी नहीं की गई है, जिसके कारण आम लोगों में डर और भय का वातावरण देखने को मिल रहा है। कोरोना की तीसरी लहर के विनाशकारी अनुभव के बावजूद केंद्र और राज्य सरकारें इस बार पूरी तरह बेपरवाह नज़र आ रही हैं। न तो अस्पतालों में कोविड बेड आरक्षित किये गये हैं, ना ही कोरोना वायरस की टेस्टिंग को लेकर कोई दिशा निर्देश अथवा सख्ती शुरू की गई है। कई जिलों में आरटी-पीसीआर जांच सीमित हैं। ऐसे में असल संक्रमण की स्थिति का अंदाजा लगाना भी मुश्किल हो रहा है। सबसे गंभीर चिंता यह है, इस बार कोविड के नए वैरिएंट्स—जैसे जेएन-1, एक्सबीबी1.16 और बीए.2.86—तेजी से फैल रहे हैं। इन पर पहले की वैक्सीन कारगर नहीं है। इसका दावा खुद स्वास्थ्य विभाग कर रहा है। इलाज का कोई निष्कर्ष अभी तक सामने नहीं आया है। सरकार इस पर कोई संज्ञान लेते नहीं दिख रही है। सरकारी अस्पतालों की हालत ऐसी है, कि वहां सामान्य मरीजों को भी ठीक से इलाज नहीं मिल पा रहा है। यदि संक्रमण और फैला तो सरकारी एवं निजी अस्पतालों मे कोरोना बीमारी के इलाज के नाम पर मनमानी एक बार फिर आम जनता की जेब पर भारी पड़ेगी। इससे निपटने के लिए कोई स्पष्ट नीति या तैयारी को लेकर केंद्र सरकार की चुप्पी लोगों को आश्चर्य में डाल रही है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में महामारी से निपटने के लिए पूर्व योजना, संसाधनों का भंडारण, पारदर्शी रिपोर्टिंग एवं केंद्र-राज्यों के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक हैं। दुर्भाग्यवश, यह सब समाचार पत्रों और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तक ही सीमित है। अगर अब भी सरकार नहीं जागी, तो देश एक बार फिर उसी अराजकता और भय के दौर में लौट सकता है, जो दूसरी लहर के समय देखा गया था। कोविड-19 में दूसरी और तीसरी लहर में सबसे ज्यादा मौतें हुईं थीं। सरकार ने 4.60 लाख मौत होना स्वीकार की थी, लेकिन अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा 30.7 लाख मौत भारत में होने की पुष्टि की थी। बीबीसी, टेलीग्राफ और कनाडा के टोरंटो विश्वविद्यालय द्वारा कोरोना महामारी में बीमारियों के जो आंकड़े प्रस्तुत किए थे उसमें भारत में कम से कम 30.7 मौतें होना बताया गया था। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के अनुसार भारत की जनसंख्या के हिसाब से कोरोना में मरने वालों की संख्या 0.3 फ़ीसदी थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे 0.6 माना गया था। 2021 में इस महामारी के कारण जो विनाश हुआ था, उसको देखते हुए भारत से दुनिया के देशों को कोरोना के नए वायरस को लेकर काफी सजग होने की जरूरत है। वह भी तब जब इसकी कोई वैक्सीन नहीं है। अभी तक विश्व स्तर पर इसके इलाज के बारे में कोई गाइडलाइन जारी नहीं हुई है। ऐसे में चिंता और भी बढ़ जाती है।

सरकार को तुरंत कोरोना बीमारी के उपचार के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। नए वैरिएंट्स पर वैज्ञानिक समीक्षा, उपचार, कोविड मरीज के लिए अस्पतालों में बेड आरक्षित करना, मुफ्त जांच, दवाओं की उपलब्धता और जनजागरूकता अभियान चलाना जल्दी से जल्दी शुरू करना होगा। यह समय आश्वासनों का नहीं, त्वरित कार्रवाई का है। महामारी को लेकर की गई लापरवाही की कीमत देश पहले ही भोग चुका है। केंद्र एवं राज्य सरकारों को कोरोना के इस नए वायरस को गंभीरता से लेना होगा। इसका इलाज किस तरह से हो जिसका लाभ मरीजों को मिले तथा कोरोना की बीमारी के जो विभिन्न किस्म के वायरस बार-बार नए-नए रूपों में जन्म ले रहे हैं। उसके लिए टीका विकसित करने जैसी स्थितियों पर विचार करना होगा। आशा की जाती है कि भारत सरकार और राज्य सरकारें त्वरित कार्यवाही करें। देश भर के सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में कोरोना वायरस से निपटने के लिए नई गाइडलाइन जारी करें। वायरस से किस तरीके से निपटा जा सकता है। इसका उपचार कैसे होगा इसकी जानकारी निचले स्तर तक भेजने में सरकार की भूमिका महत्वपूर्ण है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया बुधवार को 30 पैसे की गिरावट के साथ ही 85.93 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस ` विदेशी अमेरिकी मुद्रा में मामूली सुधार, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और विदेशी पूंजी की निकासी के दौरान ही रुपया शुरुआती कारोबार में 10 पैसे टूटकर 85.49 प्रति डॉलर पर आ गया था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति की घोषणाओं से पहले अस्थिर घरेलू शेयर बाजारों ने भी घरेलू मुद्रा पर दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में घरेलू मुद्रा कमजोर रुख के साथ खुली और सीमित दायरे में रही। रुपया शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 85.49 पर कारोबार कर रहा था जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.39 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखने वाला डॉलर सूचकांक 0.23 फीसदी की बढ़त के साथ 98.86 पर रहा।

भारत की ग्रीन इकोनॉमी 2070 तक 15 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद

2028 तक 7.29 मिलियन और 2047 तक 35 मिलियन नौकरियां पैदा होंगी

मुंबई।

भारत की ग्रीन इकोनॉमी तेजी से बढ़ते हुए 2030 तक 1 ट्रिलियन डॉलर और 2070 तक 15 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में सामने आई है। इस तेज वृद्धि के साथ भारत बड़ी संख्या में ग्रीन जॉब्स सृजित करने के लिए भी तैयार है। एक रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2027-28 तक करीब 7.29 मिलियन और वर्ष 2047 तक 35 मिलियन नौकरियों के अवसर पैदा होंगे। एनएलबी सर्विसेज के सीईओ ने कहा कि पिछले 4-5 सालों में देखा गया है कि ग्रीन जॉब्स विशिष्ट भूमिकाओं से बढ़कर रिन्यूएबल एनर्जी, ईवी और सस्टेनेबल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी मुख्यधारा में आ गई हैं। उन्होंने कहा कि आज के ग्रीन वर्कफोर्स को सस्टेनेबिलिटी संबंधी जानकारी और डिजिटल फ्लूएंसी दोनों की जरूरत है। इसके साथ एआई, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ब्लॉकचेन, जीआईएस और डेटा-ड्रिवन टूल का बढ़ता इंटीग्रेशन प्रगतिशील, नए युग के ग्रीन करियर की नींव रख रहा है। जैसे-जैसे हरित क्षेत्र का विस्तार हो रहा है, उद्योग न केवल ग्रीन टेक्नोलॉजी और रिन्यूएबल एनर्जी में निवेश कर रहे हैं, बल्कि बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए स्किल्ड वर्कफोर्स बनाने पर भी ध्यान दे रहा है। यह बदलाव कंपनियों को अपनी भर्ती रणनीतियों को बदलने के लिए प्रेरित कर रहा है। केवल पारंपरिक डिग्री पर निर्भर रहने के बजाय, नियोक्ता अब व्यावहारिक हरित कौशल और व्यावहारिक अनुभव को ज्यादा तवज्जो दे रहे हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कई कंपनियां युवाओं को सस्टेनेबिलिटी से संबंधित कौशल से लैस करने के लिए कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर काम कर रही हैं। नया रोजगार परिदृश्य पहले के पूर्वानुमानों से ज्यादा मजबूत है। 2024 में नौकरी की मांग के मामले में हरित क्षेत्र में सालाना 15-20 फीसदी की दर से वृद्धि होने की उम्मीद थी। ज्यादातर ग्रीन जॉब्स अभी भी मुंबई, बेंगलुरु और दिल्ली जैसे बड़े शहरों में हैं, लेकिन जयपुर, इंदौर, विशाखापत्तनम, कोयंबटूर, भुवनेश्वर, चंडीगढ़ और अहमदाबाद जैसे छोटे शहर भी ग्रीन जॉब्स के प्रमुख केंद्र बन रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक टियर-2 और टियर-3 शहरों में वित्त वर्ष 2028 तक अनुमानित 7.29 मिलियन नौकरियों में से 35-40 फीसदी का सृजन होने की उम्मीद है। ग्रीन जॉब्स की भूमिकाएं भी ज्यादा विविध होती जा रही हैं। ईएसजी विश्लेषण, जलवायु डेटा विश्लेषण और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में पेशेवरों की मांग तेजी से बढ़ रही है, जिसमें सालाना 20-30 फीसदी की वृद्धि का अनुमान है।

जीडीपी में ग्रोथ से कंपनियों और एलएलपी के पंजीकरण में 37 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी

मुंबई।

जीडीपी में तेज वृद्धि के कारण देश में मई में कंपनियों और एलएलपी के पंजीकरण में 37 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, मई में सालाना आधार पर कंपनियों के पंजीकरण में 29 और लिमिटेड लायबिलिटी पार्टनरशिप में 37 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। कारपोरेट कार्य मंत्रालय के डेटा के मुताबिक, ओवरसीज इकाइयों सहित मई में 20,720 कंपनियों का पंजीकरण हुआ था, जो कि एक साल पहले समान अवधि में 16,081 पर था। मई को मिलने पर यह लगातार पांचवां महीना था, जब कंपनियों के पंजीकरण में वृद्धि हुई है। बीते महीने 7,487 एलएलपी का पंजीकरण हुआ है, पिछले साल इसकी संख्या 5,464 थी। भारत की जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में बढ़कर 7.4 प्रतिशत हो गई है। वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में यह 6.2 प्रतिशत पर थी। देश के निर्यात में भी तेजी से इजाफा हो रहा है। वित्त वर्ष 25 में सर्विसेज निर्यात सालाना आधार पर 13.6 प्रतिशत बढ़कर 387.5 अरब डॉलर हो गया है। हालांकि, वैश्विक उतार-चढ़ाव के बीच वस्तुओं का निर्यात 437 अरब डॉलर पर करीब सपाट रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की ओर से जारी वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक के मुताबिक, 2025 में भारत की जीडीपी बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगी। वहीं, जापान की जीडीपी का आकार 4,186.431 अरब डॉलर रहने का अनुमान है।आईएमएफके अनुमानों के अनुसार, आने वाले वर्षों में भारत जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बनेगा है। 2027 तक भारत की अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर सकती है और इस दौरान जीडीपी का आकार 5,069.47 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। वहीं, 2028 तक भारत की जीडीपी का आकार 5,584.476 अरब डॉलर होगा, जबकि इस दौरान जर्मनी की जीडीपी का आकार 5,251.928 अरब डॉलर रहने का अनुमान है।

एचडीबी के शेयर में लगी आग, सेबी के फैसले का इंतजार

मुंबई।

बिना स्टॉक एक्सचेंज में सूची हुए भी एचडीबी वित्तीय सर्विसेज के शेयरों में आग लगी हुई है। बीते माह भर में इस एचडीएफसी बैंक की सहयोगी कंपनी के शेयर 30 प्रतिशत चढ़ गए। इस उछाल के पीछे सेबी से आईपीओ मंजूरी देने की उम्मीद है। एचडीबी फाइनेंशियल जल्द 12,500 करोड़ का भारी-भरकम आईपीओ लाने वाली है। इसमें 2,500 करोड़ नए शेयर जारी होने और एचडीएफसी बैंक ओएफएस के जरिए 10,000 करोड़ के पुराने शेयर बेचेगा। आरबीआई के नियम के मुताबिक, बड़े एनबीएफसी को तीन साल में स्टॉक मार्केट में सूची में आना है। एक रिपोर्ट कहती है कि एचडीबी का वैल्यूएशन बहुत महंगा है। 1,240 की कीमत पर यह अपने भविष्य के मुनाफे के हिसाब से 4.6 गुना भाव पर ट्रेड कर रहा था, जबकि बाजाज फाइनेंस और श्रीराम फाइनेंस जैसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले दिग्गज सस्ते हैं। अब सबकी निगाहें सेबी की मंजूरी पर टिकी हैं।

टिन के डब्बे से लेकर कार तक सब मंहगा, ट्रंप के टैरिफ का असर

नई दिल्ली।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने आदेश दिया है जिसमें स्टील और एल्यूमीनियम के आयात पर टैरिफ को दोगुना कर 50 फीसदी कर दिया गया है। यह बढ़ोतरी बुधवार से ही लागू हो गई है। यह कदम घरेलू मैन्यूफैक्चरिंग को बूस्ट देने के लिए उठाया गया है। इसको लेकर ट्रंप प्रशासन ने पहले ही अपना रुख साफ कर दिया था। मार्च के बाद से इन मेटल्स पर यह दूसरी टैरिफ बढ़ोतरी है, जो ऑटोमोबाइल से लेकर डिब्बाबंद सामान तक की इंडस्ट्री में इनपुट पर असर डालती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप के आदेश में कहा गया है कि पहले जितना टैरिफ लगाया जा रहा था, वह घरेलू इंडस्ट्री को लॉन्ग टर्म वायबिलिटी के लिए जरुरी उत्पादन क्षमता और उपयोग दरों को हासिल करने के लिए पर्याप्त नहीं था और न ही अनुमानित नेशनल डिफेंस जरूरतों को पूरा कर रहा था। आदेश में कहा गया है कि मौजूदा टैरिफ बढ़ाने से घरेलू उद्योगों को मजबूत समर्थन मिलेगा और स्टील, एल्यूमीनियम और संबंधित उत्पादों के आयात से पैदा हुए राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे को कम करने या खत्म करने में मदद मिलेगी। हालांकि, यूके से स्टील और एल्यूमीनियम के आयात पर टैरिफ मौजूदा 25 फीसदी के स्तर पर ही रहेगा, जिससे दोनों देशों को 9 जुलाई की समय सीमा तक नए लेवी या कोटा को अंतिम रूप देने के लिए समय मिल जाएगा। जबकि पिछले महीने स्टील पर व्यापार बाधाओं को कम करने के लिए एक ढांचे पर सहमति हुई थी, लेकिन दोनों पक्षों को अभी तक ब्रिटिश स्टील के लिए राहत की सीमा तय करनी है, और यह सौदा अभी तक लागू नहीं हुआ है। यूके के लिए छूट ब्रिटिश सरकार की ओर से यह पुष्टि करने के कुछ घंटों बाद आई कि दोनों देश टैरिफ राहत समझौते को तेजी से लागू करने पर सहमत हो गए हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही करोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। इसके साथ ही पिछले तीन दिनों से पारी गिरावट पर विराम लग गया। । इस सप्ताह के अंत में भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ रेपो रेट में कटौती की उम्मीद के चलते भी बाजार को बल मिला जिसके कारण भी वह उछला है। इसके अलावा अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता में प्रगति की उम्मीदों से भी बाजार में सकारात्मक रुख रहा । धातु और आईटी सेक्टर के शेयरों में तेजी से भी बाजार बेहतर हुआ है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स इंडेक्स अंत में 260.74 अंक करीब 0.32 फीसदी की बढ़त लेकर 80,998.25 पर बंद हुआ। वहीं इसी तरह 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी अंत में यह 77.70 अंक तकरीबन 0.32 फीसदी उछलकर 24,620 पर बंद हुआ। आज निफ्टी मिडकैप इंडेक्स और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.51 फीसदी और 0.82 फीसदी की बढ़त रही। वहीं सेक्टोरल मोर्चे पर निफ्टी मेटल इंडेक्स सबसे ज्यादा 0.8 फीसदी उछला। इसके अलावा निफ्टी आईटी इंडेक्स में 0.62 फीसदी और ऑटो इंडेक्स में 0.5 फीसदी की तेजी रही। आज कारोबार के दौरान भारती एयरटेल, इटरनल, इंडसइंड बैंक, टाटा मोटर्स, टेक महिंद्रा और बजाज फिनसर्व आज सेंसेक्स में सबसे ज्यादा बढ़त में रहे। इनमें 2.9 फीसदी तक उछाल रहा। वहीं दूसरी ओर टीसीएस, टाइटन, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, अदाणी पोर्ट्स, सन फार्मा और एक्सिस बैंक गिरावट पर बंद हुए। इन शेयरों में 1.5 फीसदी तक की गिरावट रही। वहीं बुधवार को एशियाई बाजारों में बढ़त दर्ज की गई। वॉल स्ट्रीट में तेजी के चलते एशियाई बाजारों में भी मजबूती आई। यह टेक शेयरों और विशेष रूप से एनवीडिया जैसे चिप निर्माताओं कंपनी के शेयरों में तेजी से प्रेरित थी। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। बाजार में ये उछाल एशियाई और दुनिया भर के बाजारों में बढ़त से आया है।

वाहन, दवा और पीएसयू बैंक शेयरों में खरीदारी से भी बाजार ऊपर आया है। आज सुबह सेंसेक्स इंडेक्स 175 अंक करीब 0.22 फीसदी की बढ़त के साथ ही 80,913 पर था जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 48 अंक तकरीबन 0.19 फीसदी बढ़कर 24,590 पर था। इसके अलावा निफ्टी मिडकैप इंडेक्स और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.2 फीसदी

की बढ़त रही। जानकारों के अनुसार निवेशकों का ध्यान आज भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक पर रहेगा। इसके अलावा भारत और अमेरिका के मई के पीएमआई आंकड़े, वैश्विक बाजारों से संकेत, विदेशी निवेशकों का रुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी पर रहेगा। मौद्रिक नीति समिति के नीतिगत फैसले की घोषणा शुक्रवार को होगी। बिजनेस स्टैंडर्ड पोल के अनुसार आरबीआई की छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति की ओर से रेपो दर में 25 आधार अंकों की कटौती करके इसे 5.75 फीसदी किये जाने की उम्मीद है। वहीं एशियाई बाजारों में बढ़त रही है। वॉल स्ट्रीट में तेजी के चलते एशियाई बाजारों में भी ये तेजी आई। यह टेक शेयरों और विशेष रूप से एनवीडिया जैसे चिप निर्माताओं के शेयरों में तेजी आई।

देश का पहला पोलर रिसर्च जहाज बनाएगी ये डिफेंस कंपनी, निवेशकों की मौज

मुंबई।

डिफेंस कंपनी गार्डन रीच शिपबिल्डर्स के शेयरों में तूफानी तेजी है। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स के शेयर बुधवार को बीएसई में 9 प्रतिशत से अधिक के उछाल के साथ 3464.85 रुपये के रिकॉर्ड पर पहुंच गए हैं। पिछले एक महीने में मिनीरत्न कंपनी के शेयरों में 75 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स ने देश का पहला पोलर रिसर्च जहाज (पीआरवी) बनाने के लिए नॉर्वे की कंपनी कोंग्सबर्ग के साथ समझौता किया है। बीते 3 महीने में गार्डन रीच शिपबिल्डर्स के शेयरों में 177 प्रतिशत से ज्यादा का उछाल आया है। जहाज को भारत में ही बनाया जाएगा और यह नेशनल सेंटर फॉर पोलर एंड ओशन रिसर्च की जरूरतों को पूरा करेगा। नेशनल सेंटर फॉर पोलर एंड ओशन रिसर्च जहाज को पोलर और सदर्न ओशंस के अभियानों में तैनात करेगा। यह समझौता देश की शिपबिल्डिंग इंडस्ट्री के लिए एक बड़ा मुकाम है। इस जहाज को गार्डन रीच शिपबिल्डर्स के कोलकाता यार्ड में तैयार किया जाएगा और यह केंद्र सरकार की मेक इन इंडिया मुहिम को मजबूती देगा। चौथी तिमाही में गार्डन रीच

शिपबिल्डर्स को 244 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था।

चौथी तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 62 पर्सेंट बढ़कर 1642 करोड़ रुपये रहा है। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स के शेयर पिछले पांच साल में 2000 प्रतिशत से अधिक उछल गए हैं। मिनी रत्न कंपनी के शेयर 5 जून 2020 को 154.45 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 4 जून 2025 को 3464.85 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले चार साल में मिनीरत्न कंपनी के शेयरों में 1700 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। वहीं, तीन साल में कंपनी के शेयर 1200 प्रतिशत से ज्यादा उछले हैं।

एप्पल ने दी चेतावनी, आईफोन को करें आईओएस 18.5 में अपडेट

नई दिल्ली।

एप्पल कंपनी ने आईफोन इस्तेमाल करने वालों को चेतावनी दी है। यह चेतावनी एप्पल ने हाल ही में अपने ऑपरेटिंग सिस्टम का नया अपडेट आईओएस 18.5 जारी किया है, साथ ही करोड़ों आईफोन यूजर्स को चेतावनी देते हुए उन्हें अपने डिवाइस को आईओएस 18.5 में तुरंत अपडेट करने की सलाह दी है। एप्पल का कहना है कि इस अपडेट के जरिए उसने आईफोन में पाई गई सुरक्षा खामियों को फिक्स किया है, जिनका फायदा उठाकर हैकर्स डिवाइस का कंट्रोल अपने हाथ में ले सकते थे। कंपनी के मुताबिक आईओएस 18.5 में आईफोन 16ई मॉडल के बेसबैंड एलिमेंट में पाई गई खामी को ठीक किया गया है। इस खामी का फायदा उठाकर हैकर्स नेटवर्क को अनस्टेबल कर सकते थे, जिससे यूजर्स की सुरक्षा को गंभीर खतरा था। इसके अलावा, कॉल हिस्ट्री सिस्टम, कोर ब्लूटूथ में पाई गई खामियां को भी ठीक किया गया है, जो ऐप्स को सेंसिटिव यूजर डेटा तक एक्सेस दे सकती थी। इसके साथ ही कंपनी ने ओरऑडियो और कोरमीडिया बग को भी फिक्स किया है जिससे तैयार की गई फाइल्स एक क्रेश का कारण बन सकते थे। साथ ही आईक्लाउड डॉक्यूमेंट शेयरिंग सिस्टम की कुछ कमियों को भी सुधारा गया है, जो हैकर्स को यूजर्ज की अनुमति के बिना फोल्डर शेयर करने की सुविधा दे रहा था।

किआ मोटर्स से 2 पूर्व कर्मचारियों ने 1,008 इंजन चोरी किए

अमरावती।

किआ मोटर्स के 2 पूर्व कर्मचारियों ने स्क्रैप डीलर्स के साथ मिलकर 3 साल में कंपनी की फैक्ट्री से 1,008 इंजन चोरी किए है। पुलिस जांच में यह बात सामने आई है। चोरी हुए इंजन की कीमत 23 लाख डॉलर (करीब 1,955 लाख रुपए) थी। पुलिस जांच दस्तावेजों से पता चला है कि किआ इंडिया के दो पूर्व कर्मचारियों पर आरोप है कि उन्होंने स्क्रैप डीलरों के साथ मिलकर 3 सालों में कार निर्माता के कारखाने से 1,008 इंजन चुराए। हालांकि, इंजनों की कीमत सिर्फ 2.3 मिलियन डॉलर थी, लेकिन पुलिस जांच में पाया गया कि इस मामले का औद्योगिक परिचालन, हितधारकों के विश्वास और रोजगार सुरक्षा पर व्यापक प्रभाव पड़ा। किआ ने मार्च में आंध्र प्रदेश पुलिस से शिकायत की थी कि आंतरिक रिकॉर्ड की समीक्षा में सामने आया कि उसकी सहयोगी कार निर्माता कंपनी हुंडई से प्राप्त इंजन गायब हैं और उन्हें पूर्व और वर्तमान कर्मचारियों के बीच साजिश का संदेह है। पुलिस की 16 अप्रैल की रिपोर्ट में बताया गया कि इंजन डिपार्टमेंट का एक टीम लीडर और एक सेक्शन हेड, जो अब कंपनी में नहीं हैं। उन्होंने फर्जी कागजात और गेट पास के द्वारा इन इंजनों को बाहर भिजवाया। इस काम में दो और लोग शामिल थे जो ट्रांसपोर्ट का इंतजाम करते थे, साथ ही दो कबाड़ व्यापारी भी, जिन्होंने दिल्ली तक इन इंजनों को बेच दिया।

जांच अधिकारी इंस्पेक्टर के मुताबिक, पूरे ऑपरेशन में नकली रजिस्ट्रेशन नंबर वाली कई ट्रकों का इस्तेमाल हुआ और लगातार अवैध ट्रांजैक्शन हुए। किआ इंडिया ने बताया कि उन्होंने बीते साल अपने इन्वेंटरी मैनेजमेंट सिस्टम को अपग्रेड किया था, तब जाकर यह गड़बड़ी सामने आई। कंपनी ने खुद इंटरनल जांच की, फिर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और अब वे अपने सिस्टम और मॉनिटरिंग को और मजबूत बना रहे हैं। इस केस में एक आरोपी विनायगमूर्ति वेलुचामी (37) को गिरफ्तार किया है, जो इंजन डिस्पैच सेक्शन का प्रमुख था। उसका कहना है कि उसने 2023 में कंपनी छोड़ दी थी और इन चोरियों से उसका कोई लेना-देना नहीं है। दूसरा आरोपी पट्टन सलीम (33) है, जो 2020 से 2025 तक टीम लीडर के रूप में काम कर चुका है। फिलहाल उसकी लोकेशन का कोई पता नहीं चला है और पुलिस दस्तावेजों में जो नंबर दिए गए थे, वे भी बंद हैं।

अभी तक इन दोनों पर कोई औपचारिक चार्ज नहीं लगाए गए हैं, लेकिन पुलिस की जांच में ये दोनों मुख्य आरोपी माने जा रहे हैं। दस्तावेजों के अनुसार, इस तरह की चोरी और साजिश अगर साबित होती है तब भारतीय कानून के तहत 10 साल या उससे ज्यादा की सजा भी हो सकती है। भारत में छोटी-मोटी चोरी आम बात है, लेकिन इस तरह की लंबे समय तक चली फैक्ट्री स्तर की साजिश कम ही देखने को मिलती है।

एसआईएफ म्युचुअल फंड हाउस में एंट्री करने को तैयार

नई पेशकशों के लिए इक्विटी और हाइब्रिड क्षेत्रों पर दे रही ध्यान

नई दिल्ली।

फंड हाउस आने वाले महीनों में हाल में पेश स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड (एसआईएफ) सेगमेंट में प्रवेश करने को तैयार है। कई फंड हाउस अपनी नई पेशकशों के लिए इक्विटी और हाइब्रिड क्षेत्रों पर ध्यान दे रहे हैं। वे पारंपरिक योजनाओं से अलग हटकर अपनी पेशकशों पर ध्यान देना चाहते हैं। मीडिया रिपोर्ट में म्युचुअल फंड अधिकारियों का कहना है कि इक्विटी और हाइब्रिड श्रेणियों के बीच चयन तीन मुख्य कारकों पर केंद्रित है। निवेश दायरे में मौजूदा उत्पाद अंतराल, इस तरह के प्रस्तावों की बाजार में मांग और फंड हाउस के पास उपलब्ध संसाधन। इस तरह की शुरुआती एसआईएफ पेशकशें अगले माह की जा सकती हैं। दो परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों क्वांट और एडलवाइस ने एसआईएफ लाइसेंस हासिल किए हैं। एडलवाइस 'एल्टिवा एसआईएफ' ब्रांड के तहत अपना एसआईएफ व्यवसाय चालू करेगी। कई अन्य एएमसी ने भी सेबी के पास एसआईएफ लाइसेंस के लिए आवेदन किया है या फिर वे इसकी तैयारी कर रहे हैं। उत्पाद के मोर्चे पर, एडलवाइस और ऐक्सिस ने हाइब्रिड रणनीतियों को चुना है, जबकि क्वांट और एसबीआई इक्विटी पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उद्योग सूत्रों के मुताबिक कम से कम तीन अन्य फंड हाउस कथित तौर पर इक्विटी या हाइब्रिड फंड लॉन्च करने के लिए तैयार हैं। मौजूदा एसआईएफ नियम सात एसआईएफ उत्पादों तक की अनुमति देते हैं। इक्विटी, हाइब्रिड और डेट श्रेणियों में दो-दो। उदाहरण के लिए एडलवाइस एएमसी ने अपनी पहली पेशकश के लिए हाइब्रिड ढांचे को अपनाया है। एडलवाइस एमएफ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष निरंजन अवस्थी ने कहा कि इस सेगमेंट का इस्तेमाल या तो एक टू-टू-लेबल मल्टी-ऐसेट फंड या एक कर-किफायती आय-केंद्रित या एब्सोल्यूट रिटर्न रणनीति शुरू करने के लिए किया।

अशोक लीलैंड को मिला 543 बसों का आर्डर, 14 साल बाद देगी बोनस शेयर

मुंबई।

कारोबारी वाहन बनाने वाली कंपनी अशोक लीलैंड के शेयर बुधवार को बीएसई में तेजी के साथ 238.10 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। अशोक लीलैंड को तमिलनाडु राज्य ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन से बसों के लिए एक बड़ा ऑर्डर मिला है। ऑर्डर में कंपनी को 543 बीएस-6 डीजल चेसिस और पूरी तरह से बनी बसों की सप्लाई करनी है। कंपनी को यह ऑर्डर जून से दिसंबर 2025 के बीच पूरा करने की उम्मीद है। इतना ही नहीं अशोक लीलैंड अपने शेयरधारकों को 14 साल बाद बोनस शेयर का तोहफा देगी। लीलैंड ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है कि स्टैंडर्ड बिजनेस नॉर्म्स के साथ सामान्य टेंडर प्रक्रिया पूरी करने के बाद कंपनी को ऑर्डर मिला है। इस साल मार्च में लीलैंड को 700 करोड़ रुपये के कई डिफेंस ऑर्डर मिले थे, जिसमें डिफेंस सेक्टर के ट्रूप ट्रांसपोर्टेशन को सपोर्ट करना, लॉजिस्टिक्स और क्लोज-इन वीपन सिस्टम्स (सीआईडब्ल्यूए) प्रोग्राम के तहत दूसरी स्पेशलाइज्ड मोबिलिटी जरूरतों को पूरा करना शामिल था। चौथी तिमाही में अशोक लीलैंड का मुनाफा सालाना आधार पर 38.4 प्रतिशत बढ़कर 1246 करोड़ रुपये रहा है, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 900 करोड़ रुपये था।

लीलैंड ने अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर बांटने की मंजूरी दी है। कंपनी अपने निवेशकों को 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर देगी है। यानी, कंपनी हर 1 शेयर पर 1 फ्री शेयर देगी। कंपनी ने अभी बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट का ऐलान नहीं किया है। अशोक लीलैंड 14 साल बाद शेयरधारकों को बोनस शेयर का तोहफा दे रही है।

अब मुंबईवासियों को मिलेगी ताजा चैरी, कटड़ा रेलवे स्टेशन से शुरु हुई सुविधा

स्वराज एक्सप्रेस ट्रेन में विशेष कार्गो बैगन डिब्बे लगे, फल व्यापारी हुए खुश

कटड़ा।

रेलवे स्टेशन कटड़ा से मंगलवार को स्वराज एक्सप्रेस ट्रेन में विशेष कार्गो बैगन डिब्बे में 12 टन चेरी फल की दूसरी खेप मुंबई रवाना हुई। जबकि 31 मई को पहली खेप भेजी गई थी। रेलवे विभाग ने रेलवे स्टेशन कटड़ा से फल विक्रेताओं के लिए यह सुविधा शुरू की है। यह चेरी मुंबई वासियों को 30 घंटे में उपलब्ध हो जाएगी।

यह सुविधा शुरू होने से कश्मीर के व्यापारियों ने खुशी जताई है और उम्मीद की कि इस सुविधा से समय और पैसे की बचत होगी। चेरी व्यापारी अली मोहम्मद ने कहा कि इससे पहले कश्मीर के प्रसिद्ध ताजे फलों को देश के अन्य राज्यों में भेजने के लिए परेशानियां झेलनी पड़ती थी साथ ही पैसे और समय की बर्बादी भी होती थी। साथ ही ताजे फलों को लेकर नुकसान भी उठाना पड़ता था। यह सुविधा शुरू होने से अब ऐसा नहीं होगा। अली ने कहा कि अब कटड़ा रेलवे स्टेशन कटड़ा से कश्मीर के सभी प्रकार के ताजे फलों के साथ ही सुखे मेवे आदी बिना किसी परेशानी के देश के कई भागों में भेज सकेंगे।

मंगलवार तड़के कश्मीर से ट्रकों में ताजी चेरी फल कटड़ा रेलवे स्टेशन परिसर पहुंचे और उन्हें रेल के विशेष कार्गो बैगन डिब्बे में लोड किया गया। इसके बाद कटड़ा रेलवे स्टेशन से मुंबई के लिए स्वराज एक्सप्रेस के साथ इसे रवाना कर दिया गया। कटड़ा रेलवे स्टेशन के सुपरिटेंडेंट ने कहा कि कटड़ा स्टेशन से मुंबई के लिए कश्मीर की प्रसिद्ध चैरी फल रवाना की गई है। जम्मू डिवीजन के रेलवे के अधिकारियों की सक्रिय प्रयासों से यह पहल शुरु की गई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईपीएल इतिहास में दूसरी बार एक ही टीम के खिलाड़ियों ने जीती ऑरेंज और पर्पल कैप

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18 वें सत्र में गुजरात टाइटंस की टीम अच्छे प्रदर्शन के बाद भी भले ही फाइनल तक नहीं पहुंच पायी लेकिन लीग स्तर पर अपने बेहतरीन प्रदर्शन के कारण सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप पर उसी के खिलाड़ियों का कब्जा रहा। आईपीएल के 18 सालों के इतिहास में ये दूसरा अवसर रहा है जब एक टीम के ही खिलाड़ियों ने ऑरेंज और पर्पल कैप जीता हो। इससे पहले साल 2017 में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाड़ियों ने ही ये दोनो कैप जीत थे। ये संयोग ही है कि तब सनराइजर्स भी फाइनल में नहीं पहुंच पायी थी। गुजरात के बल्लेबाज साई सुदर्शन को ऑरेंज कैप मिला। सुदर्शन ने इस साल शानदार बल्लेबाजी की करते हुए 15 मैचों में 54.21 की औसत से 759 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 156.17 का रहा ह। सुदर्शन ने विराट कोहली और श्रेयस अय्यर को भी पीछे छोड़कर ये ऑरेंज कैप जीत। वहीं कोहली ने 614 और अय्यर ने 603 रन बनाए हैं। दूसरी ओर विकेट की बात करें तो गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने पर्पल कैप जीती। उन्होंने 15 मैचों में 19.52 की औसत से 25 विकेट लिए। ऑरेंज और पर्पल कैप के लिए इन्हें 10-10 लाख रुपये का इनाम मिला।

भारतीयों की मालिकाना हक वाली विदेशी टी-20 टीमों में पाकिस्तानी खिलाड़ियों की भरमार

नई दिल्ली।

भारत सरकार ने 2008 के मुंबई आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ क्रिकेट संबंधों पर रोक लगा रखी है। न सिर्फ द्विपक्षीय श्रृंखलाएं रुकी हैं, बल्कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा हुआ है। इसके पीछे मुख्य कारण पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकी गतिविधियां हैं, जिनके चलते भारतीय जनभावनाएं भी इसी दिशा में दृढ़ रही हैं। हालांकि, इसी दौरान एक विरोधाभासी तस्वीर विदेशी टी-20 लीगों में देखने को मिल रही है, जहां भारतीय उद्यमियों और कंपनियों के स्वामित्व वाली टीमों में पाकिस्तानी या पाक मूल के खिलाड़ियों की बड़ी संख्या में भागीदारी देखी जा रही है।

संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और वेस्टइंडीज में चल रही टी-20 लीग प्रतियोगिताओं में कई ऐसी टीमें हैं जिनके मालिक भारतीय हैं, लेकिन उनके खिलाड़ी पाकिस्तानी हैं। इनमें रिलायंस समूह, अदाणी समूह, कोलकाता नाइट राइडर्स के मालिक शाहरुख खान, और यहां तक कि माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नाडेला तक शामिल हैं। इन टीमों में कई खिलाड़ी ऐसे हैं जो कभी पाकिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल चुके हैं या फिर हाल ही में दूसरे देशों की नागरिकता लेकर वहां की लीगों में खेल रहे हैं।

उदाहरण के लिए, यूएई में इंटरनेशनल लीग टी-20 की टीम 'अबूधाबी नाइट राइडर्स' में अली खान और इबरार अहमद जैसे खिलाड़ी हैं, जबकि इसके मालिक हैं कोलकाता नाइट राइडर्स के भारतीय स्वामित्व वाले कारोबारी। 'एमआई एमिरेट्स', जो रिलायंस ग्रुप की टीम है, उसमें मोहम्मद वसीम, जहूर खान जैसे पाक मूल के खिलाड़ी खेल रहे हैं। अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट में 'सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स' टीम के पास हैरिस रऊफ और हसन खान जैसे सीधे पाकिस्तान से आने वाले खिलाड़ी हैं। इस टीम के मालिक वेंकी हरिनारायण और आनंद राजारमन जैसे भारतीय मूल के लोग हैं। सिएटल ऑरकॉस टीम में पाकिस्तान मूल के शायन जहांगीर हैं और यह टीम माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नाडेला के स्वामित्व में है। टेक्सॉस सुपर किंग्स, लॉस एंजेल्स नाइट राइडर्स, और वॉशिंगटन फ्रीडम जैसी टीमों में

भी पाकिस्तानी खिलाड़ी सक्रिय रूप से शामिल हैं, जिनके मालिक भारतीय हैं।

यह स्थिति ऐसे समय में सामने आ रही है जब भारत और पाकिस्तान के संबंध बेहद संवेदनशील हैं और राष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तानी क्रिकेट से दूरी बनाई गई है। इसके बावजूद विदेशी मंचों पर भारतीयों द्वारा प्रायोजित टीमों में पाकिस्तानी खिलाड़ियों की मौजदूगी कई सवाल खड़े करती है।

विराट की भूमिका निभाना चाहते थे शाहरुख

मुम्बई।

हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली विश्व के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं। विराट ने पहले ही टी20 से संन्यास ले लिया था और अब वह केवल एकदिवसीय खेलते हैं।

विराट की फिटनेस ओर उसके खेल के प्रशंसक भारत ही नहीं दुनिया भर मे हैं। बॉलीवुड अभिनेता और आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) टीम के मालिक शाहरुख खान भी विराट के एक बड़े प्रशंसक हैं।

शाहरुख का एक पुराना बयान वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह फिल्म में विराट की भूमिका निभाना चाहेंगे।

शाहरुख एक ऐसे अभिनेता तो अपने को भूमिका में पूरी तरह से

ढ़ाल लेते हैं। शाहरुख स्पोर्ट्स ड्रामा भी कर चुके हैं। साल

2017 में 'जब हैरी मेट सेजल' के प्रोमोशनल इवेंट में जब उन्से पू छा गया था कि अगर उन्हें किसी क्रिकेटर का रोल निभाना हो तो वे किसे चुनेंगे। तब उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के कहा था 'विराट कोहली।' तब शाहरुख ने मुस्कुराते हुए कहा, 'मैं कोहली की तरह जुनून से भरा खिलाड़ी बनना चाहूंगा। उनकी एनर्जी और दबाव में शानदार प्रदर्शन करने की क्षमता मुझे हैरान करती है।'

यह सुनकर फिल्म की हीरोइन और तब विराट की गर्लफ्रेंड रहीं अनुष्का शर्मा ने मजेदार अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने कहा, ' इसके लिए आपको दाढ़ी तो बढ़ानी पड़ेगी।' इस पर शाहरुख ने अपने अंदाज में जवाब दिया, मैंने 'हैरी मेट सेजल' में दाढ़ी रखी थी न! मैं तो बिल्कुल विराट जैसा लग रहा था।.'इस जवाब से वहां सभी लोग हंसने लगे थे।

श्रेयस अय्यर नहीं बना पाये लगातार दो फाइनल जीतने का रिकार्ड

अहमदाबाद।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फाइनल में पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर के पास लगातार दो फाइनल जीतकर इतिहास बनाने का अवसर था पर वह इसमें असफल रहे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले में पंजाब को खिताबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में जीत के लिए मिले 191 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब ने अच्छी शुरुआत की थी। एक समय पंजाब ने 8.3 ओवर में 2 विकेट पर 72 रन बना लिए थे पर कप्तान श्रेयस अय्यर के आउट होने से मैच आरसीबी की ओर झुक गया। इसके बाद पंजाब की टीम दबाव में आ गई और लगातार विकेट खोती रही। उसके बल्लेबाज जोश इंग्लिस एक छोर पर जमे हुए थे पर क्रुणाल की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में इस बल्लेबाज ने अपना विकेट गंवा दिया। इंग्लिस के आउट होने के बाद पंजाब नहीं संभल पायी। इस मैच में आरसीबी ने जीत के लिए पूरी ताकता झौंक दी। उसके स्पिनर क्रुणाल पंड्या ने चार ओवर में 17 रन देकर दो विकेट लिए। अंतिम ओवर में पंजाब को जीत के लिए 29 रन चाहिए थे और इसके लिए पंजाब के शशांक सिंह ने काफी प्रयास किया। शशांक ने 30 गेंद में 61 रन बनाये।

आईपीएल ट्रॉफी के साथ बेहद खुश नजर आये विराट और अनुष्का

अहमदाबाद।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरू (आरसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में खिताबी जीत के बाद भावुक हो गये और दौड़कर अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के पास पहुंच गये। इस दौरान अनुष्का भी भावुक नजर आयीं क्योंकि टीम ने जो सपना देखा था वह अब साकार हुआ। विराट एक दशक से अधिक समय से इस जीत का इंतजार कर रहे थे। साल 2008 से ही वह आरसीबी से खेल रहे थे इस दौरान टीम तीन बार फाइनल में भी पहुंची थी पर उसे खिताब नहीं मिल पाया था। इस बार ट्रॉफी के साथ विराट और अनुष्का बेहद खुश दिखे।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक फाइनल मुकाबले में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 190 रन बनाये। विराट ने तेजी से खेलते हुए 35 गेंदों पर 43 रन बनाये। इसे बाद 191 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब किंग्स की टीम 7 विकेट पर 184 रन ही बना पायी। जीत के बाद विराट अपनी भावनाओं पर काबू नहीं कर पाये और मैदान पर ही उनकी आंखों से आंसू निकल गये।

विराट ने इस जीत से अपना वो सपना पूरा कर लिया जिसके लिए वो आईपीएल की शुरुआत से उतर रहे थे। टूर्नामेंट के फाइनल में टीम ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पंजाब को हराया पिछले कई साल से टीम को इस जीत का इंतजार था। फाइनल जीतने के बाद विराट ने सभी खिलाड़ियों से हाथ मिला और जब मैदान से बाहर निकले तो भागे भागे परिवार के पास पहुंच गये। पत्नी अनुष्का भी दौड़ती हुई उनके पास आई और उन्हें गले से लगा लिया। साल 2008 में पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग का आयोजन किया गया था। तभी आरसीबी में विराट के अलावा ए बी

डिविलियर्स सहित कई दिग्गज खिलाड़ी रहे हैं पर टीम एक बार भी खिताब नहीं जीती थी। इस 18 वें सत्र में रजत पाटीदार की कप्तानी में टीम को खिताब जीतने का अवसर मिला।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय महिला हॉकी टीम थाईलैंड के खिलाफ एशिया कप 2025 अभियान की शुरुआत करेगी

नई दिल्ली।

भारतीय महिला हॉकी टीम 5 सितंबर, 2025 को चीन के हांगझाऊ में 2022 एशियाई खेलों के हॉकी स्थल गोंगशु कैनाल स्पोर्ट्स पार्क फील्ड हॉकी फील्ड में थाईलैंड के खिलाफ महिला एशिया कप 2025 में अपने अभियान की शुरुआत करने के लिए तैयार है। भारतीय टीम को मौजूदा एशिया कप चैंपियन जापान, थाईलैंड और सिंगापुर के साथ पूल बी में रखा गया है, जबकि पूल ए में मेजबान चीन, कोरिया, मलेशिया और चीनी ताइपे शामिल हैं। यह टूर्नामेंट 5 से 14 सितंबर, 2025 तक चीन के हांगझाऊ में आयोजित किया जाएगा। पिछले संस्करण में कांस्य पदक जीतने वाली टीम इंडिया इस बार शीर्ष पोडियम फिनिश पर नजर रखेगी। जीत से न केवल महाद्वीपीय गौरव प्राप्त होता है, बल्कि 2026 महिला एफआईएच हॉकी विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफिकेशन की गारंटी भी मिलती है, क्योंकि एशिया कप चैंपियन इस प्रतिष्ठित क्वाड्रेनियल इवेंट में स्वतः ही स्थान प्राप्त कर लेते हैं। टूर्नामेंट के बारे में बात करते हुए, भारत की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा, हम महिला एशिया कप में अपना अभियान शुरू करने के लिए उत्साहित हैं। मौजूदा चैंपियन जापान के साथ पूल बी में रखा जाना शुरू से ही हमारे कौशल और चरित्र का परीक्षण करेगा। उन्होंने कहा, हालांकि, पूल चरण में उनका सामना करना टूर्नामेंट की शुरुआत में खुद को मापने का एक शानदार अवसर होगा। हमारा ध्यान स्मार्ट, अनुशासित हॉकी खेलने और एक बार में एक मैच पर ध्यान केंद्रित करने पर होगा। अंतिम लक्ष्य ट्रॉफी उठाना और 2026 महिला हॉकी विश्व कप में सीधे स्थान प्राप्त करना है। सलीमा की भावनाओं को दोहराते हुए, उप-कप्तान नवनीत कौर ने कहा, यह एक चुनौतीपूर्ण टूर्नामेंट होगा जिसमें एशिया की शीर्ष टीमें एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगी, लेकिन हम इसे पहली सीटी से ही अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के अवसर के रूप में देखते हैं। हम पूरी तीव्रता और उद्देश्य के साथ प्रशिक्षण ले रहे हैं, और हमारा लक्ष्य टूर्नामेंट के दौरान मैदान पर अपनी योजनाओं को क्रियान्वित करना होगा। ग्रुप स्टेज में जापान के खिलाफ खेलने से हमें उच्च दबाव वाली हॉकी का शुरुआती अनुभव मिलता है, जो हमें एक इकाई के रूप में मजबूत बनने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा, हम इस एशिया कप अभियान को यादगार बनाने और देश को गौरवान्वित करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। विशेष रूप से, भारतीय महिला हॉकी टीम ने आखिरी बार 2017 में एशिया कप जीता था, जब उन्होंने फाइनल में चीन को हराकर खिताब जीता था।

जीत के बाद भावुक होकर विराट बोले, मेरा दिल और आत्मा आरसीबी के साथ

मैंने अपनी जवानी और अनुभव सहित सभी टीम को दिया

अहमदाबाद (ईएमएस)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के बाद उसके पूर्व कप्तान विराट कोहली अपनी भावनाओं पर काबू नहीं कर पाये। विराट ने कहा कि मेरा दिल बेंगलुरु के साथ है, मेरी आत्मा बेंगलुरु के साथ है। ये कहते हुए उनकी आंखों से आंसू निकल गये। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने जैसे ही 20वें ओवर की अंतिम गेंद फेंकी। जीत की खुशी में विराट की आंखों से आंसू गिरने लगे। अपना चेहरा उन्होंने छिपा लिया। आरसीबी के खिलाड़ियों ने उन्हें घेरे लिया। 18 नंबर की जर्सी का खिताबी इंतजार 18 साल में जो समाप्त हुआ था। तीन फाइनल हारने के बाद आरसीबी पहली बार कोई फाइनल जीती है। ये क्षण विराट पर भरोसा करने वाली एक टीम के लिए भावुक करने वाला था। पिछले 18 साल की असफलता और निराशा इस एक पल में कहीं पीछे हो गई। एक खिताब जिसकी तलाश में विराट थे वह आंखिरकार उन्हें मिल ही गया। विराट ने जीत के बाद कहा कि ये ट्रॉफी जितनी मेरे लिए है, उनती ही प्रशंसकों के लिए भी कीमती है। पिछले 18 साल हो गए हैं। मैंने इस टीम को अपनी जवानी, अपना अनुभव सहित सब कुछ दिया है। मैंने हर सीजन में इसे जीतने की कोशिश की थी। अंत में ये जीत हासिल करना विश्वसनीय एहसास है। इसी कारण आखिरी गेंद फेंके जाने के बाद मैं भावनाओं से

भर गया था। मैंने इसके लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी थी यह एक अनौखा अनुभवी है। विराट के एकमात्र क्रिकेटर हैं, जो लगातार एक ही टीम से खेल रहे हैं।

वैभव , साई सुदर्शन, कृष्णा सहित कई खिलाड़ियों को मिले पुरस्कार

अहमदाबाद।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली जीत के बाद सत्र के पुरस्कार विजेताओं के नाम घोषित किये गये। इसमें गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन, मुम्बई इंडियंस के सूर्यकुमार यादव और राजस्थान रॉयल के वैभव सूर्यवंशी व गुजरात टाइटंस के प्रसिद्ध कृष्णा शामिल थे। सुदर्शन ने इस सीजन में बल्ले से बेहतरीन प्रदर्शन करते हए सबसे अधिक 759 रन बनाते हुए 'ऑरेंज कैप' जीत। इसके साथ ही सुदर्शन को 'इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन' का पुरस्कार भी मिला। सुदर्शन ने टूर्नामेंट में 88 चौके लगाए और इस सीजन में 1495 के साथ सबसे अधिक फैंटेसी अंक भी हासिल किए. वहीं सूर्यकुमार को सत्र के 'मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर' (एमवीपी) का अवॉर्ड मिला। सूर्यकुमार को आक्रामक बल्लेबाजी और मैच विजेता होने के कारण 320.5 एमवीपी अंक मिले, ये इस सत्र में सबसे अधिक हैं. वहीं 14 साल के उभरत हुए बल्लेबाज वैभव ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी के कारण अपने पहले ही सत्र में सबका ध्यान खींच। उन्हें 'सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन' का पुरस्कार मि। वैभव ने 207 का शानदार स्ट्राइक-रेट बनाए रखा। उसे टाटा की कर्व कार उपहार में मिली है। गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को इस सत्र में सबसे अधिक विकेट के लिए 'पर्पल कैप' मिली। इस तेज गेंदबाज ने सीजन में कुल 25 विकेट लिए

अमिताभ, रणवीर सिंह सहित कई फिल्मी सितारों ने आरसीबी को बधाई दी

मुम्बई। अमिताभ बच्चन , अल्लू अर्जुन सहित कई फिल्मी सितारों ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की आईपीएल में खिताबी जीत पर उसे बधाई दी है। अमिताभ ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'आभार, स्नेह।' अभिनेता सोनू सूद ने आरसीबी को बधाई देते हुए लिखा, आरसीबी, आरसीबी मेहनत का फल मीठा होता है। विराट और टीम को दिल से बधाई। वहीं पंजाब को सांत्वना देते हुए कहा कि उनका किस्मत ने साथ नहीं दिया हालांकि उन्होंने अच्छा खेला। वहीं अभिनेता रणवीर सिंह ने आरसीबी की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, यह सबकुछ है। वहीं दक्षिण के अभिनेता विजय देवरकोंडा ने आरसीबी को बधाई देते हुए लिखा, आरसीबी के सभी प्रशंसकों को बधाई। आपने इतनी ऊर्जा, जुनून और प्यार के साथ खेला। यह देखना बेहद सुखद रहा। दक्षिण के ही एक अन्य अभिनेता अल्लू अर्जुन ने भी आरसीबी की जीत पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, इंतजार खत्म हुआ। हम इस दिन का 18 साल से इंतजार कर रहे थे। आरसीबी को बहुत-बहुत बधाई! इसके अलावा अभिनेता शांतनु बाघ्यराज ने आरसीबी की जीत की सराहना की। उन्होंने लिखा, बधाई हो। यह एक लंबा इंतजार रहा। एक टीम के रूप में आपका शानदार सफर रहा। 18 साल तक समर्थन करने वाले सभी प्रशंसकों को बधाई। आप इस जश्न के अधिकारी हैं। आपने भी अच्छा खेला पंजाब किंग्स। शानदार सत्रन। विराट कोहली को रोते देखना एक भावुक पल था।

बिहार के राजगीर में तेजी से बन रहा अंतराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम

पटना।

बिहार की राजधानी पटना में राजगीर अंतराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण का काम तेजी से चला रहा है। इससे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मैचों के आयोजन के साथ-साथ स्थानीय खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण और खेल सुविधाएं मिल सकेंगी। ये स्टेडियम अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है। इसमें अत्याधुनिक हाई मास्ट लाइट, साउंड सिस्टम, वाटर सप्लाई, फायर अलार्म, फायर फाइटिंग सिस्टल भी लगाया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्टेडियम में लाल मिट्टी से बनाई जा रही 6 क्रिकेट पिचों का कार्य पूरा हो गया है। पिच पर घास लगाने का कार्य भी पूर्ण कर लिया गया है। काली मिट्टी से 7 क्रिकेट पिच बनाई गई है। पिच पर घास लगाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसके अलावा जनरल स्टैंड ईस्ट, जनरल स्टैंड वेस्ट तथा रिवर्स पवेलियन का सिविल वर्क भी तेजी से पूरा किया जा रहा है। सिविल वर्क के साथ ही फिनिशिंग वर्क भी किया जा रहा है। क्रिकेट स्टेडियम में मुख्य पवेलियन का कार्य पूरा हो गया है।

इस काम देख रही कंपनी के अनुसार अगले दो महीने में क्रिकेट स्टेडियम को मैच के लिए तैयार कर लिया जाएगा। वहीं जिला प्रशसन की ओर से कहा गया है कि समय समय सीम में इस काम को पूरा करने के आदेश दिये गये हैं। साथ ही कहा कि उन्होंने कहा कि सभी मानकों को ध्यान में रखकर कार्य पूर्ण किये जाने की शर्त रखी गयी है। मैदान पर घास लगाने का कार्य शुरू हो गया है, जिसे जल्द पूर्ण करने के लिए कहा गया है। बारिश होने पर मैदान से पानी निकासी हेतु ड्रेनेज प्रणाली विकसित की गई है। मैदान के बाहरी एरिया को विकसित करने के लिए समुचित निदेश दिया गया। इस स्टेडियम का निर्माण 72843 वर्गमीटर भूखण्ड पर किया जा रहा है जिसमें 40,000 दर्शकों के बैठने की व्यवस्था होगी। स्टेडियम अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा, जिसमें खिलाड़ियों के लिए विशेष पवेलियन, कोच और

मैनेजर के लिए बैठने की विशिष्ट व्यवस्था, वीवीआईपी अतिथियों के लिए विशेष स्टैंड शामिल होगा।

खिताब जीतते ही बदला आरसीबी का नारा

अहमदाबाद।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) कि मेहनत आंखिरकार रंग लायी और रजत पाटीदार की कप्तानी में उसने आईपीएल खिताब अपने नाम किया। फाइनल में आरसीबी ने पहले खेलते हुए 190 रन बनाए। इसके जवाब में पंजाब किंग्स की टीम 184 रन ही बना पाई। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब की पारी लड़खड़ा गयी और उसके हाथ से मैच फिसल गया। वहीं आरसीबी ने बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजी में भी प्रभावी प्रदर्शन किया। जीत के साथ ही आरसीबी का नारा भी बदल गया। अब तक जहां कन्नड़ भाषा में ई साला कप नमदे (इस बार कप हमारा होगा) का नारा टीम के खिलाड़ी लगाते थे। वहीं ट्रॉफी जीतते ही टीम का नारा भी बदल गया। इसी लिए टीम के कप्तान रजत पटीदार ने जीत के बाद कहा, ई साला कप नमदु। वहीं टीम के साथ लंबे समय तक रहे एबी डिविलियर्स ने नया नारा ई साल कप नमदु पोस्ट किया है। कन्नड़ में ई साला कप नमदु का मतलब होता है।] इस साल कप हमारा हुआ। आरसीबी ने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना अलग ही अंदाज दिखाया। फाइनल में उसने एक रोमांचक मुकाबले में पंजाब किंग्स को 7 रनों से हराया। इससे पहले भी आरसीबी तीन बार खिताबी मुकाबले में पहुंची थी पर तीनो ही बार उसे हार का सामना करना पड़ा था। वहीं साल 2008 में आईपीएल शुरु होने के 17 साल के बाद वह विजेता बनी है।।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मंदिरों का शहर हम्पी

यूनेस्को की विश्व विरासत की सूची में शामिल हम्पी भारत का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। 2002 में भारत सरकार ने इसे प्रमुख पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने की घोषणा की थी। हम्पी में स्थित दर्शनीय स्थलों में सम्मिलित हैं- विरूपाक्ष मन्दिर, रघुनाथ मन्दिर, नरसिम्हा मन्दिर, सुग्रीव गुफा, विठाला मन्दिर, कृष्ण मन्दिर, हजारा राम मन्दिर, कमल महल तथा महानवमी डिब्बा आदि। हम्पी से 6 किलोमीटर दूर तुंगभद्रा बांध स्थित है। कहा जाता है कि हम्पी के हर पत्थर में कहानी बसी है। यहां दो पत्थर त्रिकोण आकार में जुड़े हुए हैं। दोनों देखने में एक जैसे ही हैं, इसलिए इन्हें सिस्टर स्टोंस कहा जाता है। इसके पीछे भी एक कहानी प्रचलित है। दो ईष्र्यालु बहनें हम्पी घूमने आईं, वे हम्पी की बुराई करने लगीं। शहर की देवी ने जब यह सुना तो उन दोनों बहनों को पत्थर में तब्दील कर दिया।

स्थापत्य कला

विजयनगर के शासकों ने मंत्रणागृहों, सार्वजनिक कार्यालयों, सिंचाई के साधनों, देवालयों तथा प्रासादों के निर्माण में बहुत उत्साह दिखाया। विदेशी यात्री नूनीज ने नगर के अन्दर सिंचाई की अद्भुत व्यवस्था और विशाल जलाशयों का वर्णन किया है। राजकीय परकोटे के अंतर्गत अनेक प्रासाद, भवन एवं उद्यान बनाये गये थे। राजकीय परिवार की स्त्रियों के लिए अनेक सुन्दर भवन थे, जिनमें कमल-प्रासाद सुन्दरतम था। यह भारतीय वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण था। यह माना जाता है कि एक समय में हम्पी रोम से भी समृद्ध नगर था। प्रसिद्ध मध्यकालीन विजयनगर राज्य के खण्डहर वर्तमान हम्पी में मौजूद हैं। इस साम्राज्य की राजधानी के खण्डहर संसार को यह घोषित करते हैं कि इसके गौरव के दिनों में स्वदेशी कलाकारों ने यहां वास्तुकला, चित्रकला एवं मूर्तिकला की एक पृथक शैली का विकास किया था। हम्पी पत्थरों से घिरा शहर है। यहां मंदिरों की खूबसूरत शृंखला है, इसलिए इसे मंदिरों का शहर भी कहा जाता है।

मंदिरों का शहर

हम्पी मंदिरों का शहर है जिसका नाम पम्पा से लिया गया है। पम्पा तुंगभद्रा नदी का पुराना नाम है। हम्पी इसी नदी के किनारे बसा हुआ है। पौराणिक ग्रंथ रामायण में भी हम्पी का उल्लेख वानर राज्य किष्किन्धा की राजधानी के तौर पर किया गया है। शायद यही वजह है कि यहां कई बंदर हैं। हम्पी से पहले एनेगुंदी विजयनगर की राजधानी हुआ करती थी। दरअसल यह गांव है, जो विकास की रफ्तार में काफी पिछड़ा हुआ है। यहां के निवासियों को बिल्कुल नहीं पता कि सदियों पहले यह जगह कैसी हुआ करती थी। नव वृंदावन मंदिर तक पहुंचने के लिए नाव के जरिए नदी पार करनी पड़ती है, जिसे कन्नड़ में टेप्पा कहा जाता है। यहां के लोगों का विश्वास है कि नव वृंदावन मंदिर के पत्थरों में जान है, इसलिए लोगों को इन्हें छूने की इजाजत नहीं है।।

विठल स्वामी का मन्दिर

हम्पी में विठल स्वामी का मन्दिर सबसे ऊंचा है। यह विजयनगर के ऐश्वर्य तथा कलावैभव के चरमोत्कर्ष का द्योतक है। मंदिर के कल्याणमंडप की नक्काशी इतनी सूक्ष्म और सघन है कि यह देखते ही बनता है। मंदिर का भीतरी भाग 55 फुट लम्बा है। और इसके मध्य में ऊंची वेदिका बनी है। विठ्ठल भगवान का रथ केवल एक ही पत्थर में से कटा हुआ है। मंदिर के निचले भाग में सर्वत्र नक्काशी की हुई है। लांगहस्ट के कथनानुसार- यद्यपि मंडप की छत कभी पूरी नहीं बनाई जा सकी थी और इसके स्तंभों में से अनेक को मुस्लिम आक्रमणकारियों ने नष्ट कर दिया, तो भी यह मन्दिर दक्षिण भारत का सर्वोत्कृष्ट मंदिर कहा जा सकता है। फग्र्युसन ने भी इस मंदिर में हुई नक्काशी की भूरि-भूरि प्रशंसा की है। कहा जाता है कि पंढरपुर के विठ्ठल भगवान इस मंदिर की विशालता देखकर यहां आकर फिर पंढरपुर चले गए थे।

विरुपाक्ष मन्दिर

विरुपाक्ष मन्दिर को पंपापटी मंदिर भी कहा जाता है, यह हेमकुटा पहाडियों के निचले हिस्से में स्थित है। हम्पी के कई आकर्षणों में से यह मुख्य है। 1509 में अपने अभिषेक के समय कृष्णदेव राय ने गोपुड़ा का निर्माण करवाया था। भगवान विठाला या भगवान विष्णु को यह मंदिर समर्पित है। 15वीं शताब्दी में निर्मित यह मंदिर बाजार क्षेत्र में स्थित है। यह नगर के सबसे प्राचीन स्मारकों में से एक है। मंदिर का शिखर जमीन से 50 मीटर ऊंचा है। मंदिर का संबंध विजयनगर काल से है। इस विशाल मंदिर के अंदर अनेक छोटे-छोटे मंदिर हैं जो विरूपाक्ष मंदिर से भी प्राचीन हैं। मंदिर के पूर्व में पत्थर का एक विशाल नंदी है जबकि दक्षिण की ओर भगवान गणेश की विशाल प्रतिमा है। यहां अर्ध सिंह और अर्ध मनुष्य की देह धारण किए नरसिंह की 6.7 मीटर ऊंची मूर्ति है।

पत्थर का रथ

किंवदंती है कि भगवान विष्णु ने इस जगह को अपने रहने के लिए कुछ अधिक ही बड़ा समझा और अपने घर वापस लौट गए। विरुपाक्ष मंदिर भूमिगत शिव मंदिर है। मंदिर का बड़ा हिस्सा पानी के अन्दर समाहित है, इसलिए वहां कोई नहीं जा सकता। बाहर के हिस्से के मुकाबले मंदिर के इस हिस्से का तापमान बहुत कम रहता है। विठाला मंदिर का मुख्य आकर्षण इसकी खम्बे वाली दीवारें और पत्थर का बना रथ है। इन्हें संगीतमय खंभे के नाम से जाना जाता है, क्योंकि प्यार से थपथपाने पर इनमें से संगीत निकलता है। पत्थर का बना रथ वास्तुकला का अद्भुत नमूना है। पत्थर को तराश कर इसमें मंदिर बनाया गया है, जो रथ के आकार में है। कहा जाता है कि इसके पहिये घूमते थे, लेकिन इन्हें बचाने के लिए सीमेंट का लेप लगा दिया गया है।

बडाव लिंग

पास में स्थित बडाव लिंग चारों ओर से पानी से घिरा है, क्योंकि इस मंदिर से ही नहर गुजरती है। मान्यता है कि हम्पी के एक गरीब निवासी ने प्रण लिया था कि यदि उसकी किस्मत चमक उठी तो वह शिवलिंग का निर्माण करवाया। बडाव का मतलब गरीब ही होता है।

लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर

हम्पी लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर या उग्र नरसिम्हा मंदिर बड़े चट्टानों से बना हुआ है, यह हम्पी की सबसे ऊंची मूर्ति है। यह करीब 6.7 मीटर ऊंची है। नरसिम्हा आदिशेष पर विराजमान हैं। असल में मूर्ति के एक घुटने पर लक्ष्मी जी की छोटी तस्वीर बनी हुई है, जो विजयनगर साम्राज्य पर आक्रमण के समय धूमिल हो गई।

रानी का स्नानागार

हम्पी में स्थित रानी का स्नानागार चारों ओर से बंद है। 15 वर्ग मीटर के इस स्नानागार में गैलरी, बरामदा और राजस्थानी बालकनी है। कभी इस स्नानागार में सुगंधित शीतल जल छोटी-सी झील से आता है, जो भूमिगत नाली के माध्यम से स्नानागार से जुड़ा हुआ था। यह स्नानागार चारों ओर से घिरा और ऊपर से खुला है।

हजारा राम मंदिर

हजारा राम मंदिर हम्पी के राजा का निजी मंदिर माना जाता था। मंदिर की भीतरी और बाहरी दीवारों पर बेहतरीन नक्काशी की गई है। बाहरी कमरों की छतों के ठीक नीचे बनी नक्काशी में हाथी, घोड़ा, नृत्य करती बालाओं और मार्च करती सेना की टुकडियों को दर्शाया गया है, जबकि भीतरी हिस्से में रामायण और देवताओं के दृश्य दिखाए गए हैं। इसमें असंख्य पंखों वाले गरुड़ को भी चित्रित किया गया है।

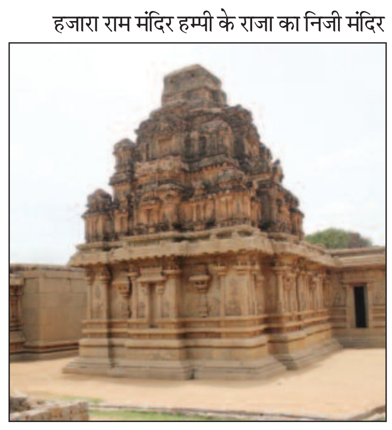

कमल महल

हम्पी में स्थित कमल के आकार का दो मंजिला महल और इसका मुंडेर महल पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। कमल महल हजारा राम मंदिर के समीप है। यह महल इन्डो-इस्लामिक शैली का मिश्रित रूप है। कहा जाता है कि रानी के महल के आसपास रहने वाली राजकीय परिवारों की महिलाएं आमोद-प्रमोद के लिए यहां आती थीं। महल के मेहराब बहुत आकर्षक हैं।

हाउस ऑफ विक्टरी

हाउस ऑफ विक्टरी स्थान विजयनगर के शासकों का आसन था। इसे कृष्णदेवराय के सम्मान में बनवाया गया जिन्होंने युद्ध में ओडिशा के राजाओं को पराजित किया था। वह हाउस ऑफ विक्टरी के विशाल सिंहासन पर बैठते थे और नौ दिवसीय दसारा पर्व को यहां से देखते थे।

संग्रहालय

कमलापुर में स्थित पुरातत्व विभाग का संग्रहालय बहुत-सी प्राचीन मूर्तियों और हस्तशिल्पों का सग्रंह है। इस क्षेत्र की समस्त हस्तशिल्पों को यहां देखा जा सकता है।

हाथीघर

हम्पी का हाथीघर जीनान क्षेत्र से सटा हुआ है। यह गुम्बदनुमा इमारत है जिसका इस्तेमाल राजकीय हाथियों के लिए किया जाता था। इसके प्रत्येक चेम्बर में एक साथ ग्यारह हाथी रह सकते थे। यह हिन्दू-मुस्लिम निर्माण कला का उत्तम नमूना है।

कब जाएं

अक्टूबर से मार्च की अवधि हम्पी जाने के लिए सबसे उत्तम मानी जाती है। हम्पी जाने के लिए हवाई, रेल और सड़क मार्ग को अपनी सुविधानुसार अपनाया जा सकता है। हम्पी जाने के लिए होस्पेट जाना पड़ता है। हैदराबाद से होस्पेट के लिए रेल है। होस्पेट से आगे 15 किलोमीटर की दूरी पर हम्पी है।

हवाई मार्ग

हम्पी से 77 किलोमीटर दूर बेल्लारी सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है। बैंगलोर से बेल्लारी के लिए नियमित उड़ानों की व्यवस्था है। बेल्लारी से राज्य परिवहन की बसों और टैक्सी द्वारा हम्पी पहुंचा जा सकता है।

रेल मार्ग

हम्पी से 13 किलोमीटर दूर होस्पेट नजदीकी रेलवे स्टेशन है। यह रेलवे स्टेशन हुबली, बैंगलोर, गुंटाकल से जुड़ा हुआ है। होस्पेट से राज्य परिवहन की नियमित बसें हम्पी तक जाती हैं।

सड़क मार्ग

होस्पेट से सड़क मार्ग के द्वारा हम्पी पहुंचा जा सकता है। हम्पी बेलगांव से 190 किलोमीटर दूर बेंगलुरु से 350 किलोमीटर दूर, गोवा से 312 किलोमीटर दूर है।

मंदिर की छत दो बार बनाई गई थी। लेकिन पहली बार आग से छत नष्ट हो गयी।और दूसरी बार छत ढह गई। फिर भगवान शिव स्वयं एक भक्त के सपनों में प्रकट हुए और कहा: "मैं तड़केश्वर महादेव हूं। मुझे सूर्य की किरणों की आवश्यकता है। इसलिए, मंदिर की छत को फिर से नहीं बनाना चाहिए।" उसी दिन से ताड़केश्वर महादेव के मंदिर का निर्माण इस तरह किया गया की शिवलिंग पर सूर्य की किरणे गिरते रहे।

800 साल पुराना शिवालय

गुजरात में तड़केश्वर महादेव मंदिर में सूर्य की किरणें करती हैं शिवजी का अभिषेक

दक्षिण गुजरात के वलसाड जिले में वांकी नदी के किनारे बसा है अब्रामा गांव। यहां विराजमान हैं प्राचीन अलौकिक तड़केश्वर महादेव। भोलेनाथ के इस मंदिर पर शिखर का निर्माण संभव नहीं है, इसलिए सूर्य की किरणें सीधे शिवलिंग का अभिषेक करती हैं।

1994 में हुआ था जीर्णोद्धार

1994 में मंदिर का जीर्णोद्धार कर 20 फुट के गोलाकार आकृति में खुले शिखर का निर्माण किया गया। शिव भक्त-उपासक हर समय यहां दर्शन कर धर्मलाभ अर्जित करने आते रहते हैं। पावन श्रावण माह व महाशिव रात्रि पर यहां विशाल मेला लगता है।

स्वप्न में शिव जी ने बताया था

800 वर्ष पुराने इस अलौकिक मंदिर के बारे में उल्लेख मिलता है कि एक ग्वाले ने पाया कि उसकी गाय हर दिन झूंड से अलग होकर घने जंगल में जाकर एक जगह खड़ी होकर अपने आप दूध की धारा प्रवाहित करती है। ग्वाले ने अब्रामा गांव लौटकर ग्रामीणों को उसकी सफेद गाय द्वारा घने वन में एक पावन स्थल पर स्वतः दुग्धाभिषेक की बात बताई। शिव भक्त ग्रामीणों ने वहां जाकर देखा तो पवित्र स्थल के गर्भ में एक पावन शिला विराजमान थी।

फिर शिव भक्त ग्वाले ने हर दिन घने वन में जाकर शिला अभिषेक-पूजन शुरू कर दिया। ग्वाले की अटूट श्रद्धा पर शिवजी प्रसन्न हुए। शिव जी ने ग्वाले को स्वप्न दिया और आदेश दिया कि घनघोर वन में आकर तुम्हारी सेवा से मैं प्रसन्न हूं। अब मुझे यहां से दूर किसी पावन जगह ले जाकर स्थापित करो। ग्वाले ने ग्रामीणों को स्वप्न में मिले आदेश की बात बताई।

कभी बन नहीं पाया शिखर

ग्वाले की बात सुनकर सारे शिव भक्त ग्रामीण वन में गए। पावन स्थल पर ग्वाले की देखरेख में खुदाई की तो यह शिला सात फुट की शिवलिंग स्वरूप में निकली। फिर ग्रामीणों ने पावन शिला को वर्तमान तड़केश्वर मंदिर में विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठित किया। साथ ही चारों ओर दीवार बना कर ऊपर छप्पर डाला। ग्रामीणों ने देखा कि कुछ ही वक्त में यह छप्पर स्वतः ही सुलग कर स्वाहा हो गया।

ऐसा बार-बार होता गया, ग्रामीण बार-बार प्रयास करते रहे। ग्वाले को भगवान ने फिर स्वप्न में बताया मैं तड़केश्वर महादेव हूं। मेरे ऊपर कोई छप्पर-आवरण न बनाएं। फिर ग्रामीणों ने शिव के आदेश को शिरोधार्य किया। शिवलिंग का मंदिर बनवाया लेकिन शिखर वाला हिस्सा खुला रखा ताकि सूर्य की किरणें हमेशा शिवलिंग पर अभिषेक करती रहें। तड़के का अभिप्राय धूप है जो यहां शिव जी को प्रिय है।

हिमाचल के सोलन की हसीन वादियों में बसा है एशिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर

दोस्तों आपको पता ही होगा की भारत देश मंदिरो का देश हैं। वैसे तो भारत में कई खूबसूरत मंदिर है जिन्हें देखने हर साल देश-विदेश से करोड़ों सैलानी आते हैं। लेकिन हम जिस भव्य शिव मंदिर के बारे में आज बताने जा रहे है वो है हिमाचल प्रदेश के सोलन की हसीन वादियों में स्तिथ जटोली का शिव मंदिर।

जटोली शिव मंदिर को एशिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर कहा जाता हैं। हाल ही में मंदिर में 11 फुट लंबा स्वर्ण कलश चढ़ाया गया हैं। इससे जटोली शिव मंदिर की ऊंचाई करीब 122 फुट तक पहुंच गई है।

देवो के देव महादेव का यह मंदिर सोलन से करीब 6 किलोमीटर दूर है। दक्षिण-द्रविड़ शैली में बने भोलेनाथ के इस मंदिर की नक्क़ाशी की सुंदरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है की इस शिव मंदिर को बनने में करीब 39 साल का समय लगा।

ऐसा माना जाता है की भोलेनाथ ने यहां कुछ समय के लिए यहाँ विश्राम किया था। उसके बाद तपस्वी बाबा स्वामी कृष्णानंद परमहंस के मार्गदर्शन पर 1973 में जटोली शिव मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हुआ।

इस मंदिर के चारों तरफ आप कुदरत के बेहतरीन नजारों का भी लुफ़्त ले सकते हैं।

कैसे पहुंचे :

सोलन से बस/टैक्सी से राजगढ़ रोड़ होते हुए आसानी से जटोली शिव मंदिर पंहुचा जा सकता है। सड़क से करीबन 100 सीढ़ियां चढ़ने के बाद महादेव के दर्शन होते हैं।

नवनियुक्त अधिकारियों को राष्ट्रपति ने दी नसीहत कहा- सहानुभूति और निष्पक्षता बनाए रखें

नई दिल्ली।

नवनियुक्त भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नसीहत देते हुए कहा है कि लोक सेवा की भावना को प्रतिबिंबित करने वाले मूल्यों पर कायम रहते हुए अपने प्राधिकार का इस्तेमाल सहानुभूति और निष्पक्षता के साथ करें। मुर्मू ने कहा कि समावेशी विकास में उनका योगदान महत्वपूर्ण हो सकता है।

उन्होंने कहा कि अधिकारियों के प्रयासों में विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए कि हाशिये पर पड़े और कमजोर वर्ग देश को विकसित राष्ट्र बनाने की यात्रा में पीछे न छूट जाएं।

राष्ट्रपति ने कहा, जब गरीब और वंचित लोग विकास और समृद्धि का अनुभव करेंगे, तभी हम विकसित राष्ट्र के लक्ष्य को प्राप्त करने के करीब होंगे। मुर्मू यहां राष्ट्रपति भवन में राज्य सिविल सेवाओं से नियुक्त आईएएस अधिकारियों को संबोधित कर रही थीं, जो मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में 127वें प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। ये अधिकारी यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मिलने आये थे।

उन्होंने कहा कि नौकरी करते समय उनके लक्ष्यों को प्राप्त करने में प्रौद्योगिकी और नवाचार बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

मुर्मू ने कहा, डिजिटल उपकरण सेवा मुहैया कराने की स्थिति में सुधार से लेकर डेटा-संचालित निर्णय लेने में सक्षम बनाने तक,कुशल, पारदर्शी और नागरिक-अनुकूल शासन प्रणाली बनाने में मदद कर सकते हैं। यह जरूरी है कि आप एआई, ई-गवर्नेंस और डिजिटल फीडबैक तंत्र में नवाचारों को अपनाएं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सरकारी योजनाएं अंतिम छोर तक पहुंचें। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवा को परिभाषित करने वाले मूलभूत मूल्यों को कभी नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं आपसे अपने आचरण में ईमानदारी बनाए रखने, अपने कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और जवाबदेही बनाए रखने का आग्रह करती हूं। आपको सहानुभूति और निष्पक्षता के साथ

अधिकार का प्रयोग करना चाहिए। आपसे उम्मीद की जाती है कि आप उदाहरण पेश करेंगे और उन मूल्यों में निहित रहेंगे जो सार्वजनिक सेवा की भावना को दर्शाते हैं।

नीता अंबानी के पास है 200 करोड़ का बाजूबंद, शाहजहां परिवार से है संबंध

सालों से अंबानी परिवार महंगी और एंटिक चीजों का है शौकीन

नई दिल्ली।

अंबानी परिवार देश के सबसे अमीर परिवारों में शामिल हैं। इनके गहने से लेकर कपड़ों तक की चर्चा आए दिन होती रहती है। सालों से अंबानी परिवार कई महंगी वस्तु खरीद रहा है और इनका कलेक्शन और बढ़ा है। ये वस्तु अनोखी और महंगी हैं। नीता अंबानी के पास बहुत ही खास बाजूबंद है, जिसे उन्होंने मिस वर्ल्ड फाइनल 2024 में पहना था। इस बाजूबंद का मुगल शासन के शाहजहाँ परिवार से संबंध है। यहीं कारण है कि इसकी बनावट में शाही कारीगरी झलकती है। इसकी कीमत 200 करोड़ रुपए हैं। इस प्राचीन बाजूबंद को प्राचीन तकनीक का इस्तेमाल करके बनाया गया है। इसमें कई तरह के खास हीरे जड़े हैं, जिनकी कीमत करोड़ों में हैं। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के प्री-वेडिंग में नीता अंबानी ने हीरो का हार पहना था। ये उस समय अपनी खूबसूरती के चलते चर्चा में था। इस हार की कीमत 400 से 500 करोड़ रुपए बताई जा रही थी। अंबानी परिवार की बेटी ईशा अंबानी अपने फैशन के लिए हमेशा चर्चा में बनी रहती है। इनके पास एक शानदार हीरों का हार है। इस नेकलेस की कीमत 167 करोड़ हैं। इस नेकलेस का साधारण होना ही सभी को आकर्षक करता है। अनंत अंबानी की पत्नी राधिका मर्चेंट के पास कई महंगी चीजें हैं, जिनकी कीमत करोड़ों में है। इनकी पत्नी के पास हीरो और मोतियों से बना शानदार चोकर है। ये चोकर उन्हें नीता अंबानी की तरफ से दिया गया था। हालांकि इस चोकर की क्या कीमत है। इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। अनंत अंबानी के पास एक पार्टक फिलिप की वॉच है। जिसका फेस डाइल दोनों तरफ है। इसका जटिल डिजाइन है और इसकी कीमत 54 करोड़ रुपए हैं। जटिल डिजाइन के मामले में ये वॉच सबसे आगे हैं। वही अनंत अंबानी को सगाई के दौरान उनके भाई आकाश अंबानी ने कार्टियर ब्रोच गिफ्ट किया था। ये ब्रोच 18 कैरेट से बनाया गया था, जिसमें हीरो और अन्य महंगे सामान का इस्तेमाल भी हुआ है। इसकी कीमत 13.2 करोड़ बताई जाती है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पीएम मोदी की कैबिनेट बैठक आज, लिए जा सकते हैं कई बड़े फैसले

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में आज 4 जून को केंद्रीय मंत्रिपरिषद की अहम बैठक आयोजित की जाएगी। यह बैठक शाम 5 बजे सुषमा स्वराज भवन में होगी। खास बात यह है कि यह बैठक हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद पहली कैबिनेट मीटिंग होगी। इसमें प्रधानमंत्री मोदी सभी मंत्रियों को इस सैन्य ऑपरेशन की जानकारी देंगे, साथ ही कुछ अहम नीतिगत फैसले भी लिए जा सकते हैं।

सूत्रों के अनुसार, बैठक के दौरान मोदी सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियों पर भी विस्तार से चर्चा की जाएगी। मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल (मोदी 3.0) का एक साल पूरा कर रही है, ऐसे में यह बैठक राजनीतिक और प्रशासनिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कई मंत्रालय अपने कार्यों का प्रजेंटेशन प्रधानमंत्री के समक्ष देंगे। इनमें जल शक्ति मंत्रालय प्रमुख रूप से शामिल है। पीएम मोदी ने सभी मंत्रालयों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में बीते वर्षों की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाएं।

बुकलेट में संजोई जाएंगी उपलब्धियां

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को सभी मंत्रालयों से उनके कार्यों की रिपोर्ट मिली है, जिन्हें समेकित कर एक विशेष बुकलेट के रूप में प्रकाशित किया जाएगा। इसके अलावा,

मंत्रालयों को सोशल मीडिया के माध्यम से भी जनसंपर्क बढ़ाने और सरकार की उपलब्धियों को सामने लाने के निर्देश दिए गए हैं।

कमल हासन ने टिप्पणी पर माफी मांगने से किया इनकार, कोर्ट ने लगाई फटकार

हाईकोर्ट फिल्म ठग लाइफ के रिलीज पर सुरक्षा देने की याचिका पर करा रहा सुनवाई

बेंगलुरु।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने अभिनेता कमल हासन को उनके द्वारा की गई टिप्पणी पर माफी मांगने से इनकार करने पर फटकार लगाई। कोर्ट कमल हासन की फिल्म ठग लाइफ के राज्य में रिलीज होने पर सुरक्षा का अनुरोध करने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। फिल्म के निर्माताओं ने कोर्ट को बताया कि यह फिल्म 5 जून को कर्नाटक में रिलीज नहीं होगी, जो पूरे देश में रिलीज की तय तिथि है, जिसके बाद कोर्ट ने सुनवाई 10 जून तक के लिए स्थगित कर दी।

कमल हासन के प्रोडक्शन हाउस राजकमल फिल्म्स इंटरनेशनल ने अभिनेता हासन की टिप्पणी के बाद व्यापक विरोध प्रदर्शन और कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा बहिष्कार के आह्वान के मद्देनजर राज्य में फिल्म की रिलीज के लिए पर्याप्त सुरक्षा देने का अनुरोध किया था। केएफसीसी ने कमल हासन से माफी मांगने की मांग की है। न्यायमूर्ति नागप्रसन्ना ने कहा कि अभिनेता एक बार माफी मांगने से स्थिति सुलझ सकती थी, उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का इस्तेमाल किसी की विशेष रूप से जनसमूह की भावनाओं को ठेस पहुंचाने की सीमा तक नहीं किया जा सकता।

न्यायाधीश ने कहा कि अभिनेता के हालिया बयान से कर्नाटक के लोगों की भावना को ठेस पहुंची है। कोर्ट ने कहा कि लोगों की भावनात्मक और सांस्कृतिक पहचान होती है। कोर्ट ने इस बात पर भी जोर दिया कि किसी भी

व्यक्ति को ऐसी टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है जो पूरे भाषाई समुदाय के गौरव को ठेस पहुंचाए। न्यायमूर्ति नागप्रसन्ना ने सवाल किया कि क्या आप कमल हासन इतिहासकार या भाषाविद् हैं जो ऐसा बयान दे रहे हैं? एक माफी से स्थिति सुलझ सकती थी।

रोजमर्रा के जीवन में एआई की भूमिका को लेकर भारतीय सबसे ज्यादा खुश

नई दिल्ली।

रोजमर्रा के जीवन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की बढ़ती भूमिका को लेकर दुनिया में भारतीय सबसे ज्यादा खुश हैं। एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई कि एक सर्वे से पता चला है कि भारत में 30 फीसदी लोग एआई के विकास को लेकर खुश हैं। इसके अलावा रिपोर्ट में बताया गया कि भारत के 27 फीसदी पार्टिसिपेंट्स एआई को लेकर आशावादी दृष्टिकोण रखते हैं। वहीं सर्वे में 55 फीसदी भारतीयों ने एआई के साथ उच्च इंगेजमेंट की संभावना जताई, उसके बाद 51 फीसदी के साथ यूएई और 48 फीसदी इंडोनेशिया का नंबर आता है। इसके अलावा सर्वे में कहा गया कि दुनिया भर में केवल 16 फीसदी पार्टिसिपेंट्स एआई के भविष्य के प्रभाव को लेकर आशावादी हैं, जबकि 7 फीसदी लोगों का कहना है कि वे इससे खुश हैं। सबसे ज्यादा आशावादी लोग हांगकांग के हैं, जहां 33 फीसदी लोगों ने एआई को लेकर सकारात्मकता दिखाई। यूएई के 21 फीसदी एआई के विकास को लेकर उत्साहित हैं।

सर्वे से यह भी पता चला है कि अगले दशक में रोजमर्रा की जिंदगी में एआई की बढ़ती भूमिका के प्रति वैश्विक दृष्टिकोण, आशावाद की तुलना में सतर्कता की ओर ज्यादा झुका हुआ है। दुनिया भर में 22 फीसदी पार्टिसिपेंट्स ने एआई के उदय के बारे में सतर्क रहने की जरुरत बताई। भारत में केवल 13 फीसदी पार्टिसिपेंट्स ने सतर्कता

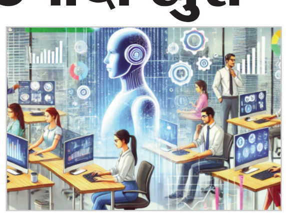

व्यक्त की। इसकी तुलना में 34 फीसदी इंडोनेशियाई, 33 फीसदी पोलिश, 30 फीसदी फ्रांसीसी, 27 फीसदी सिंगापुर और 26 फीसदी स्पेनिश एआई को लेकर सतर्क हैं।

इस बीच ग्लोबल पार्टिसिपेंट्स में से 17 फीसदी एआई को लेकर चिंतित हैं। सबसे ज्यादा 27 फीसदी फ्रांस, 26 फीसदी अमेरिका और 25 फीसदी ग्रेट ब्रिटेन के लोग एआई को लेकर परेशान हैं। तुलनात्मक रूप से केवल 8 फीसदी भारतीय पार्टिसिपेंट्स ने एआई को लेकर चिंता जताई है।

ब्रिटिश सांसदों ने कहा- आतंक फैलाता है पाकिस्तान, पीओके तत्काल खाली होना चाहिए

नई दिल्ली।

आतंक फैलाने के मामले में पाकिस्तान पूरी दुनिया में बदनाम है। ब्रिटिश सांसद भी कह रहे हैं कि पाकिस्तान दहशत फैलाता और आतंकियों को पालता है। इससे तत्काल पीओके खाली करा लेना चाहिए।

हाल ही में सांसद बॉब ब्लैकमैन ने भारतीय जनता पार्टी सांसद रवि शंकर प्रसाद की अगुवाई वाले प्रतिनिधिमंडल से लंदन में मुलाकात की थी। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भारत के साथ खड़े होने की अपील की है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान एक असफल राष्ट्र है। पाकिस्तान में लोकतंत्र नहीं है। पाकिस्तान के हिस्सों में लोग हैं, जो पाकिस्तानी सैन्य शासन में भुगत रहे हैं। यहां कमान किसके हाथ में है। यहां लोकतंत्र है या जनरल हैं। और यह साफ है कि पाकिस्तान से संप्रभु भारत में आतंकवाद को बढ़ावा दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम संदेश दें कि जम्मू और कश्मीर में भारत के हिस्से पर पाकिस्तान का अवैध कब्जा खत्म होना चाहिए। सैनिकों को वहां से चले जाना चाहिए और पूरे जम्मू और कश्मीर को एक प्रमुख राज्य के रूप में एकजुट किया जाना चाहिए, जैसा कि 1947 में चाहा गया था। इसके बाद हम आतंकवाद को उखाड़ फेंकने के लि काम करें और यह सुनिश्चित करें कि लोग घाटी की सुंदरता का मजा लें। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व वाले भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल की ब्रिटेन यात्रा मंगलवार को लंदन में संसद के दोनों सदनों और 'इंडिया हाउस'में कई बैठकों के बाद संपन्न हुई। इस दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने आतंकवाद के खिलाफ भारत का कड़ा रुख स्पष्ट रूप से पेश किया।

रविशंकर ने कहा, ब्रिटेन की हमारी यात्रा बहुत शानदार रही... हमारा संदेश स्पष्ट रूप से समझा गया।

उन्होंने इस बात को स्वीकार किया कि (आतंकवाद के खिलाफ) दुनिया को एकजुट होने की जरूरत है। ब्लैकमैन ने पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिलने वाली वित्तीय सहायता पर भी घेरा। उन्होंने कहा, जो राशि पाकिस्तान भेजी जा रही है, उसका क्या इस्तेमाल हो रहा है? इसका इस्तेमाल चीनी हथियार खरीदने के लिए नहीं होना चाहिए, जो भारत पर हमले के लिए आतंकवादियों की मदद करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

लालू यादव के कार्यकाल में रेल मंत्रालय ने आवेदनों की मंजूरी के लिए दबाव डाला

सीबीआई ने दिल्ली की एक अदालत में किया दावा

नई दिल्ली।

सीबीआई ने दिल्ली की एक अदालत में दावा किया कि रेल मंत्री के रूप में लालू प्रसाद यादव के कार्यकाल में मंत्रालय ने ग्रुप-डी के उम्मीदवारों के नौकरी के आवेदनों को मंजूरी देने के लिए दबाव डाला था, जिन्होंने कथित तौर पर राजद प्रमुख के परिवार या सहयोगियों के नाम पर भूखंड उपहार में दिए या हस्तांतरित किए थे। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने कथित भूमि के लिए नौकरी घोटाले में आरोपों पर दलीलें सुन रहे थे। इसमें मध्य प्रदेश के जबलपुर के पश्चिम मध्य रेलवे क्षेत्र में 2004 से 2009 के बीच नियुक्तियां की गई थीं। इस दौरान लालू प्रसाद रेल मंत्री थे। कार्यवाही के दौरान विशेष लोक अभियोजक डीपी सिंह ने रेखांकित किया कि पदों के लिए आवेदन करने वाले सभी आवेदक बिहार से थे और ये ज्यादातर गरीब लोग थे, जिनके लिए सरकारी नौकरी हासिल करना फायदेमंद होता।

इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ में मरीज की मौत, 70 को डायरिया की शिकायत

हैदराबाद।

तेलंगाना सरकार के अधीनस्थ इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ (आईएमएच) में एक मरीज की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई, जबकि लगभग 70 मरीजों ने अचानक उल्टी और दस्त की शिकायत की, जिससे संस्थान में हड़कंप मच गया।

हैदराबाद के जिलाधिकारी अनुदीप दुरीशेट्टी ने स्वयं आईएमएच का दौरा कर हालात का जायजा लिया। उन्होंने मीडिया को बताया कि मृतक मरीज सुबह से कोई गतिविधि नहीं कर रहा था। उसे होश में लाने के लिए सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) भी दिया गया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। बाद में मरीज को सरकारी उस्मानिया जनरल हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल, मौत के कारणों की पुष्टि नहीं हो पाई है और जांच जारी है।

70 मरीजों को डायरिया जैसे लक्षण

जिलाधिकारी ने बताया कि मंगलवार शाम तक लगभग 65 से 70 मरीजों में उल्टी और दस्त जैसे लक्षण पाए गए। डॉक्टरों की टीम ने स्थिति पर कड़ी नजर रखी हुई है और आवश्यक इलाज भी शुरू कर दिया गया है। संस्थान में खाद्य व पेयजल की गुणवत्ता की जांच की जा रही है। प्रारंभिक आशंका है कि किसी प्रकार का खाद्य या जलजनित संक्रमण इस घटना का कारण हो सकता है।

सुहास शेट्टी हत्याकांडः एक और गिरफ्तारी, अब तक 16 आरोपी पकड़े गए

मुख्य आरोपी को पनाह देने के आरोप में अब्दुल रजाक गिरफ्तार

मंगलुरु।

सुहास शेट्टी हत्याकांड मामले में मंगलुरु पुलिस की जांच लगातार तेज़ होती जा रही है। ताज़ा कार्रवाई में सिटी क्राइम ब्रांच ने एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर हत्याकांड के मुख्य साजिशकर्ता को शरण देने का आरोप लगा है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान 59 वर्षीय अब्दुल रजाक के रूप में हुई है, जो मंगलुरु का ही निवासी है। पुलिस के मुताबिक, रजाक ने हमले के बाद मुख्य आरोपी को छिपने में मदद की थी। इस गिरफ्तारी के साथ ही इस हाई-प्रोफाइल हत्या मामले में अब तक कुल 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। यहां बताते चलें कि बीते महीने कुख्यात बदमाश और हिंदू कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की शहर में एक समूह ने निर्मम हत्या कर दी थी। यह मामला राज्यभर में चर्चा का विषय बन गया था, जिसे सांप्रदायिक दृष्टि से भी संवेदनशील बताया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीसीबी ने जांच की कमान संभाली थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अब्दुल रजाक से पूछताछ जारी है और जल्द ही और गिरफ्तारियां भी संभव हैं। मामले से जुड़े अन्य फरार आरोपियों की तलाश भी जारी है।

टेस्ला शोरूम शुरू करने जा रहीं, वे मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाने की इच्छुक नहींः कुमारस्वामी

नई दिल्ली।

अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला के भारत में लॉन्चिंग का इंतज़ार लंबे समय से किया जा रहा है। बीते कुछ महीनों में टेस्ला इस दिशा में आगे भी बढ़ी है। टेस्ला ने भारत में अपने पहले शोरूम के लिए मुंबई में प्रॉपर्टी डील की और अलग-अलग लोकेशन पर जॉब वैकेंसीज निकाली, लेकिन अब ख़बर आ रही है कि कंपनी भारत में मैन्युफैक्करिंग प्लांट लगाने के इच्छुक नहीं है। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि एलन मस्क के स्वामित्व वाली टेस्ला भारत में कार मैन्युफैक्करिंग में रुचि नहीं रखती है। मंत्री कुमारस्वामी का यह बयान ऐसे समय आया है जब सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों पर विशेष ध्यान दे रही है और यात्री कारों के डोमेस्टिक मैन्युफैक्करिंग को बढ़ावा देने पर जोर दे रही है। इसके लिए सरकार ने बीते सोमवार को नए दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक कुमारस्वामी ने कहा कि टेस्ला...वे केवल शोरूम शुरू करने जा रहे हैं।

वे भारत में कारों के निर्माण में रुचि नहीं रखते हैं। हालांकि, भारी उद्योग सचिव कामरान रिजवी ने कहा कि असली इरादा हमें तब पता चलेगा जब हम आवेदन खोलेंगे। कुमारस्वामी ने कहा कि हुंडई, मर्सिडीज बेंज, स्कोडा और किआ जैसी कई यूरोपीय कंपनियों ने नई इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी के तहत भारत में मैन्युफैक्करिंग प्लांट शुरू करने में रुचि दिखाई है। इससे पहले ऐसी खबरें थीं कि टेस्ला भारत में अपनी कारों को आयात करने और बाद में भारत में अपने शोरूम के जरिए इसे बेचने में रुचि रखती है। टेस्ला के मालिक एलन मस्क ने संकेत दिया था कि वह भारत में निवेश करने में रुचि रखते हैं, लेकिन हाई इंपोर्ट ड्यूटी स्ट्रक्चर इसमें रूकावट बन रही है। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी चीज है जिसके बारे में मैं बहुत ज्यादा कुछ नहीं कह सकता। टेस्ला एक सार्वजनिक कंपनी है। यह हमारी नहीं है...जब आप भारत और यहां के लोगों की एनर्जी और हर चीज को देखते हैं और जब मैं सुनता हूं कि बीवायडी और कई अन्य कंपनियां यहां आ रही हैं और टाटा और महिंद्रा बेहतरीन कारें बना रहे हैं, तो मैं यह कहना चाहूंगा कि हमारे यहां टेस्ला क्यों नहीं हैं, लेकिन मैं बहुत ज्यादा नहीं कह सकता. यह सिर्फ एक व्यक्तिगत दृष्टिकोण है। कुछ दिनों पहले ख़बर आई थी कि टेस्ला ने मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में अपना पहला शोरूम शुरू करने के लिए एक डील फाइनल की है, जिसके तहज कंपनी ने एक कॉमर्शियल टॉवर के ग्राउंड फ्लोर पर 4,000 वर्ग फुट की जगह किराए पर ली है। बताया जा रहा है कि इसका मासिक किराया 900 रुपए प्रति वर्ग फुट है। जो करीब 35 लाख रुपए प्रतिमाह के आसपास होगा। टेस्ला अगले साल अप्रैल तक आधिकारिक तौर पर भारतीय बाजार में एंट्री कर सकती है। कुछ दिनों पहले कंपनी ने भारत में होमोलोगेशन आवेदन दाखिल किए गए थे।

एलआईसी का अदाणी को निवेशः राहुल गांधी बोले- पैसा आपका, फायदा अदाणी का

सरकारी धन से निजी संस्थाओं को लाभ पहुंचाने का आरोप

नई दिल्ली।

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एलआईसी द्वारा अदाणी समूह में किए गए 5,000 करोड़ रुपये के निवेश को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने इस निवेश को आम लोगों के पैसे का निजी फायदा में उपयोग करार दिया। सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कि पैसा, पॉलिसी, प्रीमियम आपका; सुरक्षा, सुविधा, फायदा अदाणी का। इस पोस्ट के जरिए उन्होंने एलआईसी में करोड़ों आम नागरिकों के भरोसे और धन को लेकर चिंता जताई है। दरअसल, अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने हाल ही में 5,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। यह रकम 15 साल की अवधि के गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) के जरिए एलआईसी से प्राप्त की गई है। यह अब तक का कंपनी का सबसे बड़ा घरेलू बॉन्ड निर्गम बताया जा रहा है।

कंपनी के अनुसार, यह निवेश 7.75 प्रतिशत सालाना की प्रतिस्पर्धी कूपन दर पर हुआ है। इस बॉन्ड को बीएसई में सूचीबद्ध किया जाएगा। कंपनी का कहना है कि एपीएसईजेड की मजबूत वित्तीय स्थिति और 'एएए//स्थिर' क्रेडिट रेटिंग की वजह से यह सौदा संभव हुआ।

विपक्ष ने उठाए सवाल

राहुल गांधी समेत विपक्षी दलों का आरोप है कि मोदी सरकार सार्वजनिक संस्थानों जैसे एलआईसी और एसबीआई का इस्तेमाल कुछ चुनिंदा कॉरपोरेट समूहों को फायदा पहुंचाने के लिए कर रही है।

इससे न केवल आम निवेशकों के हितों को खतरा है, बल्कि सरकारी संस्थाओं की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े होते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

अप्रवासन नीति को सख्त न करने पर गिर सकती है नीदरलैंड सरकार, दक्षिणपंथी गीर्ट विल्डर्स ने दी धमकी

हेग, एजेंसी। नीदरलैंड की 11 माह पुरानी सरकार पर संकट के बादल मंडरा गए हैं। दरअसल गठबंधन सरकार में शामिल गीर्ट विल्डर्स सरकार से समर्थन वापस लेने पर विचार कर रहे हैं। गठबंधन सरकार में चार पार्टियां शामिल हैं और अगर गीर्ट विल्डर्स समर्थन वापस लेते हैं तो सरकार अल्पमत में आ जाएगी। दरअसल बीते हफ्ते विल्डर्स ने सरकार से मांग की थी कि अप्रवासन को तेजी से कम करने के लिए 10 बिंदू योजना पर हस्ताक्षर करे। इस योजना में विल्डर्स ने देश की सीमाओं की रक्षा और अवैध अप्रवासन को रोकने के लिए सेना की तैनाती की भी मांग की है। उनका कहना है कि अगर अप्रवासन नीति को सख्त नहीं किया गया तो उनकी पार्टी सरकार से अपना समर्थन वापस ले लेगी। नीदरलैंड सरकार पर संकट के बादल ऐसे वक्त मंडरा रहे हैं, जब नीदरलैंड तीन हफ्ते बाद ही हेग में नाटो नेताओं की अहम बैठक होनी है। सोमवार को रात को गठबंधन के नेताओं की बैठक हुई, जिसमें गीर्ट विल्डर्स भी शामिल हुए। बैठक के बाद विल्डर्स ने कहा कि कल फिर से बैठक होगी, लेकिन हालात ठीक नहीं लग रहे हैं।विल्डर्स के बयान से साफ है कि सहमति नहीं बन पा रही है और वे सरकार से समर्थन वापस ले सकते हैं। गीर्ट विल्डर्स एक धुर दक्षिणपंथी नेता हैं, जो नीदरलैंड में इस्लाम और अप्रवासन नीति के बड़े विरोधी हैं। विल्डर्स लंबे समय तक विपक्ष में रहे हैं, लेकिन नवंबर 2023 में हुए चुनाव में उनकी पार्टी को सबसे ज्यादा सीटें मिलीं थी और सत्ताधारी गठबंधन में उनकी पार्टी सबसे बड़ी है।विल्डर्स ने कहा कि कई महीने की बातचीत के बाद अब उनका सब्र जवाब दे रहा है। इससे पहले फरवरी में भी विल्डर्स ने गठबंधन से नाता तोड़ने की धमकी दी थी क्योंकि शरणार्थियों की संख्या सीमित करने की उनकी मांग पूरी नहीं हो रही थी। हालांकि बाद में विल्डर्स मान गए थे।

न्यूजीलैंड में महिला सांसद ने संसद में दिखाई खुद की न्यूड फोटो, वजह भी बताई

वेलिंगटन, एजेंसी। न्यूजीलैंड में एक महिला सांसद के फैसले की चर्चा हो रही है। खबर है कि वह एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की मदद से तैयार की गई खुद की फेक न्यूड फोटो लेकर संसद पहुंची थीं। दरअसल, वह दिखाना चाहती थीं कि किसी की झूठी तस्वीर तैयार करना कितना आसान है और यह कितना नुकसान पहुंचा सकता है। वह इस संबंध में कानून बनाने की मांग कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एसीटी पार्टी की सासंद लॉरा मैक्ल्योर खुद की एक तस्वीर लेकर पहुंची थीं। उन्होंने कहा, यह मेरी नग्न तस्वीर है, लेकिन यह असली नहीं है। उन्होंने कहा, खुद की डीपफेक बनाने में मुझे 5 मिनट से भी कम समय लगा है। उन्होंने संसद में खुलकर अपनी तस्वीर दिखाई और विरोध दर्ज कराया है। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक वीडियो मैसेज में उन्होंने कहा, मैं संसद के अन्य सदस्यों का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहती थी कि ऐसा करना कितना आसान है और इसकी वजह से कितना नुकसान हो रहा है। खासतौर से हमारे युवा किवी कितने प्रभावित हैं। उन्होंने कहा, तकनीक परेशानी नहीं है, बल्कि परेशानी है कि इसका गलत इस्तेमाल लोगों को प्रताड़ित करने के लिए हो रहा है। हमें इसके लिए कानून बनाने होंगे। वह डीपफेक डिजिटल हार्म एंड एक्सप्लॉइटेशन बिल का समर्थन कर रही हैं। खबर है कि रिवेंज पोर्न और निजी पलों की रिकॉर्डिंग के संबंध में पहले से बने कानूनों में संशोधन करेगा और बगैर सहमति के डीपफेक बनाने और शेयर करने को अपराध बनाएगा। इसके अलाव इस कानून के तहत पीड़ितों को कंटेट हटवाने और न्याय पाने का भी रास्ता साफ हो जाएगा। एक अन्य पोस्ट में मैक्ल्योर ने लिखा, किसी को भी डीपफेक का निशाना नहीं बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे कानून इसके लिए तैयार नहीं हैं और यह चीज बदलनी होगी।

गाजा में खाना बांटने के दौरान फिर से गोलीबारी, 3 लोगों की मौत, 30 घायल

गाजा, एजेंसी। दक्षिणी गाजा में सोमवार सुबह को खाना बांटने के दौरान फिर से गोलीबारी हुई जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई, और 30 से ज्यादा घायल हो गए। अल जजीरा के मुताबिक, 卐इजरायली सेना ने बिना किसी चेतावनी के खाना लेने की कोशिश कर रहे लोगों पर गोली चला दी।卐 अंतरराष्ट्रीय सहायता संगठनों ने इसकी निंदा की है, क्योंकि इससे हालात और खराब हो रहे हैं और जरूरतमंदों तक मदद नहीं पहुंच पा रही। यूनाइटेड नेशन ने गाजा में बार-बार हो रही ऐसी गोलीबारी की स्वतंत्र जांच की मांग की है। ये गोलीबारी सुबह उसी इजराइल समर्थित सहायता केंद्र पर हुई, जहां एक दिन पहले भी फायरिंग हुई थी। जिसमें 31 लोगों की मौत हो गई थी, और करीब 200 लोग घायल हुए थे। अल जजीरा को प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इजरायली स्नाइपर्स और ड्रोन गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन (त्र।स्त्र) के सहायता केंद्रों पर नजर रखते हैं। इसे इजराइल और अमेरिका से समर्थन मिलता है। फिलिस्तीनी नागरिक सुरक्षा एजेंसी के अनुसार पिछले 24 घंटों में अलग-अलग इजरायली हमलों में कम से कम 51 लोग मारे गए और 503 घायल हुए है। फाइनेंशियल टाइम्स के मुताबिक, गाजा का 80त्न हिस्सा अब इजराइली नियंत्रण में है या जबरन खाली कराया गया है। 23 लाख लोग अब दक्षिणी गाजा के छोटे से इलाके में रहने को मजबूर है।

पाकिस्तान में कराची की जेल से 216 कैदी भागे: भूकंप के बाद अफरातफरी में मेन गेट से फरार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कराची की मलिर जेल से सोमवार रात 216 कैदी फरार हो गए। जेल प्रशासन के मुताबिक कराची में आए भूकंप के झटकों के बाद ऐहतियातन कैदियों को बैरकों से बाहर निकाला गया था। जियो न्यूज के मुताबिक इसी दौरान मौके का फायदा उठाकर कैदी मेन गेट से फरार हो गए। इनमें से करीब 80 कैदियों को दोबारा पकड़ लिया गया है, जबकि 135 कैदी अभी भी फरार हैं। जेल सुपरिंटेंडेंट अरशद शाह ने मंगलवार तड़के इसकी पुष्टि की। इससे पहले कई मीडिया रिपोर्ट्स में कैदियों के दीवार तोड़कर भागने की बात कही जा रही थी। प्रशासन ने साफ किया है कि कोई दीवार नहीं तोड़ी गई, सभी कैदी मेन गेट से ही भगदड़ के बीच भाग निकले।

भूकंप के बाद कैदियों ने धक्कामुक्की की : गृह मंत्री लांजार ने बताया कि भूकंप के बाद 700 से 1000 कैदियों को बैरकों से बाहर लाया गया था। इसी अफरा-तफरी में 100 से ज्यादा कैदियों ने मेन गेट की तरफ धक्का-मुक्की शुरू की और भाग निकले। जेल प्रशासन के मुताबिक तलाशी अभियान अब भी जारी है। इस अभियान में स्पेशल सिक्योरिटी यूनिट, रैपिड रिस्पॉन्स फोर्स , रेंजर्स और फ्रंटियर कोर की टीमें मिलकर काम कर रही हैं। घटना के तुरंत बाद जेल का नियंत्रण रेंजर्स और एफसी ने संभाल लिया। आईजी जेल, डीआइजी जेल और जेल मंत्री ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया।

हादसे में एक कैदी की मौत, 4 सुरक्षाकर्मी घायल : घटना में एक कैदी की मौत की खबर है। वहीं, 4 सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं। गृह मंत्री ने माना कि प्रशासनिक लापरवाही भी इस घटना का कारण हो सकती है। मुख्यमंत्री मुराद अली शाह को पूरी जानकारी दे दी गई है। उन्होंने गृह मंत्री को जेल जाकर हालात की निगरानी करने के निर्देश दिए। सिंध के राज्यपाल कामरान टेसोरी ने भी घटना का संज्ञान लेते हुए गृह मंत्री और ढ्ढत्न सिंध पुलिस से सभी कैदियों को जल्द गिरफ्तार करने को कहा। गृह मंत्री लांजार ने बताया कि हर फरार कैदी की पहचान और रिकॉर्ड उपलब्ध है। उनके घरों और आसपास के इलाकों में छापेमारी जारी है। जेल मंत्री ने कहा कि लापरवाह अफसरों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षा के लिहाज से चैक पोस्ट्स और निगरानी सख्ती बरती जा रही है।

पिछले साल जुलाई में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की रावलकोट जेल से 19 कैदी फरार हो गए थे। इनमें से 6 को मौत की सजा सुनाई गई थी। घटना पुंछ के रावलकोट जेल की है, जो मुजफ्फराबाद से करीब 110 किमी दूर है। रविवार दोपहर करीब 2:30 बजे एक कैदी ने पहरेदार से उसकी लस्सी बैरक तक लाने के लिए कहा था। जब पहरेदार लस्सी देने पहुंचा, तब कैदी ने बंदूक तानकर उसे दबोच लिया और उसकी चाबियां छीन लीं। इसके बाद कैदी ने बाकी बैरक का ताला भी खोल दिया था। फिर सभी कैदी मेन गेट की तरफ भागे। इस दौरान पुलिस के साथ मुठभेड़ में एक कैदी की मौत हो गई थी। पाकिस्तान में इससे पहले भी कई बार आतंकियों के जेल तोड़कर भागने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। 2012 में पाकिस्तान के बन्नू शहर में 400 कैदी जेल से फरार हो गए थे।

रूस-यूक्रेन में दूसरे दौर की शांतिवार्ता एक घंटे में खत्म:कैदियों की अदला-बदली पर सहमति

इस्तांबुल, एजेंसी। रूस और यूक्रेन की बीच सोमवार को तुर्किये से इस्तांबुल में दूसरे दौर की शांति वार्ता 1 घंटे में खत्म हो गई। दोनों देश गंभीर रूप से घायल और बीमार युद्धबंदियों की अदला-बदली पर सहमत हो गए हैं। इसके साथ ही दोनों पक्ष 6,000-6,000 मारे गए सैनिकों के शव भी वापस लौटाएंगे। यूक्रेन के रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव ने कहा कि हम सभी युद्धबंदियों की रिहाई और सभी दिव्यांग बच्चों और कैदियों की वापसी चाहते हैं। वहीं, रूसी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख व्लादिमीर मेंडिस्की ने कहा- इस समझौते के तहत गंभीर रूप से घायल और 18 से 25 साल के युवा सैनिकों की भी अदला-बदली की जाएगी। यह वार्ता ऐसे वक्त में हुई जब कुछ घंटे पहले ही यूक्रेन ने रूस के साइबेरिया में बड़े पैमाने पर ड्रोन हमला किया। इस बारे में पूछे जाने पर रूसी प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि कल का इंतजार कीजिए। इससे पहले दोनों देशों का डेलिगेशन 16 मई को इस्तांबुल में मिला था, तब भी दोनों के बीच 2 घंटे बातचीत हुई थी। यूक्रेन के हमले में रूस को काफी नुकसान पहुंचा है, इसके बाद पलटवार करते हुए रूस ने भी यूक्रेन पर अपने मिसाइल और ड्रोन हमले बढ़ा दिए हैं। यूक्रेन का प्रतिनिधिमंडल बातचीत के लिए मिलिट्री यूनिफॉर्म में पहुंचा है। यूक्रेन की तरफ से रक्षा मंत्री रुस्टेम उमेरोव और रूस की तरफ से राष्ट्रपति पुतिन के करीबी व्लादिमिर मेंडिस्की इस बातचीत में भाग लिया। कैदी अदला-बदली: 16 मई को इस्तांबुल में रूसी और यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडलों के बीच हुई बातचीत के बाद दोनों देशों ने 1-1 हजार कैदियों की अदला-बदली पर सहमति जताई थी।

सीजफायर: यूक्रेन ने 30 दिन के सीजफायर की मांग की थी, लेकिन रूस ने इसे स्वीकार नहीं किया। रूस ने शर्त रखी कि यूक्रेन को चार इलाकों (दोनेत्स्क, लुहान्स्क, जपोरिझिया, खेरसॉन) से पूरी तरह पीछे हटना होगा, जिनमें लगभग 1.1 करोड़ यूक्रेनी नागरिक रहते हैं। जिसे यूक्रेन ने अस्वीकार कर दिया था।

शांति समझौता: तुर्की के विदेश मंत्री हाकन फिदान ने कहा था कि दोनों देश दोबारा मिलने को तैयार हैं, लेकिन कोई नई तारीख तय नहीं हुई। रूस ने यूक्रेन को शांति समझौते का मसौदा देने की बात कही।

चीन में शी जिनपिंग के करीबी पूर्व जनरलर छील्यांग का निधन, बीजिंग में 75 साल की उम्र में आखिरी सांस ली

बीजिंग, एजेंसी। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के करीबी माने जाने वाले पूर्व टॉप जनरल शू छील्यांग का सोमवार को बीजिंग में निधन हो गया। वे 75 वर्ष के थे। चीन के रक्षा मंत्रालय ने उनके निधन की जानकारी दी। शू छील्यांग पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की सर्वोच्च निगरानी संस्था सेंट्रल मिलिट्री कमीशन के उपाध्यक्ष रहे थे और शी जिनपिंग के शुरुआती कार्यकाल में सेना के प्रमुख रणनीतिकारों में गिने जाते थे। उस दौर में शी सेना और नौसेना को सेना की नीति-निर्माण संस्था में बड़ी भूमिका देने लगे थे, जिसे लंबे समय तक थल सेना) का वर्चस्व प्राप्त था। शू ने 1966 में पी एल ए जॉइन की थी, जब चीन में माओ के नेतृत्व में सांस्कृतिक क्रांति का तूफानी दौर शुरू हो रहा था। वर्षों की सेवा के बाद वे वायुसेना के जनरल बने और सेना में महत्वपूर्ण पदों पर पहुंचे।

संसद में विश्वास मत हासिल नहीं कर सके मंगोलिया के प्रधानमंत्री, कड़े विरोध के बाद दिया इस्तीफा

उलान बतोर , एजेंसी। लोकतंत्र कायम करने की राह पर चल रहे मंगोलिया में सियासी उथल-पुथल है। अपने बेटे के बेतहाशा खर्च को लेकर विरोध का सामना कर रहे प्रधानमंत्री ओयुन-एर्डीन लुव्सन्नामसराय संसद में विश्वास मत हासिल नहीं कर सके हैं। प्रधानमंत्री ने मंगलवार सुबह इस्तीफा दे दिया। वॉशिंगटन में मंगोलिया के दूतावास ने इसकी पुष्टि की। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि प्रधानमंत्री ओयुन-एर्डीन लुव्सन्नामसराय को 44 वोट मिले, जो आवश्यक 64 से काफी कम है। दरअसल प्रधानमंत्री के बेटे के खर्च को लेकर कई सप्ताह से विरोध प्रदर्शन हो रहा था। प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री से पद छोड़ने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि देश की खनिज संपदा से व्यापारिक हितों और धनी लोगों को लाभ हुआ है, जबकि कई मंगोल लोग अभी भी गरीबी में जी रहे हैं। इसके बाद संसद में विश्वास मत को लेकर मतदान कराया गया। मतदान से पहले ओयुन-एर्डीन ने चेतावनी दी कि इससे अस्थिरता पैदा हो सकती है और मंगोलिया का नया लोकतंत्र हिल सकता है। उन्होंने कहा कि अगर शासन अस्थिर हो जाता है, आर्थिक स्थिति खराब हो जाती है। राजनीतिक दल आम सहमति पर नहीं पहुंच पाते हैं। इससे जनता का संसदीय शासन में विश्वास खत्म हो सकता है और हमारी लोकतांत्रिक संसदीय प्रणाली के ढहने का खतरा हो सकता है।

उन्होंने अपनी गलती स्वीकार करते हुए कहा कि मैंने बड़ी परियोजनाओं को बहुत अधिक समय दिया, जबकि सामाजिक और आंतरिक राजनीतिक मामलों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। ओयुन-एर्डीन चार वर्षों तक इस पद पर रहे थे तथा इससे पहले भी उन्हें पद छोड़ने के लिए कहा गया था।

मंगोलिया में पिछले साल बनी थी गठबंधन सरकार : मंगोलिया में पिछले साल चुनावी सुधारों के बाद संसद की सीटें 76 से बढ़ाकर 126 कर दी गईं। इसके बाद गठबंधन सरकार बनी। रूस और चीन के बीच घिरा मंगोलिया लोकतांत्रिक बनने के लिए संघर्ष कर रहा है। शीत युद्ध के दौरान सोवियत संघ के पतन के बाद से यह लोकतंत्र में तब्दील हो रहा है। सामरिक एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र में भारत एवं एशियाई अर्थव्यवस्था की उप निदेशक एवं वरिष्ठ फेलो एरिन मर्फी ने कहा कि लोकतंत्र के लिए आधार तैयार करना बहुत कठिन है। ऐसे समय में मंगोलिया को आर्थिक समस्याओं से भी निपटना होगा। हमें अभी भी देखना है कि आगे क्या होता है और नई सरकार इन मुद्दों से निपटने की क्या योजना बनाती है? मंगोलिया में लोकतंत्र अभी तक पनप नहीं पाया है, लेकिन यह जड़ें जमा रहा है।

ब्रिटेन आतंकवाद से लड़ने के भारत के प्रयासों के साथ: ब्रिटिश सांसद

लंदन, एजेंसी। लेस्टर पूर्व से ब्रिटिश सांसद शिवानी राजा ने रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में भारत के सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। उन्होंने इसे सकारात्मक बैठक बताया। उन्होंने भारत के साथ काम करने और आतंकवाद से निपटने के प्रयासों में उसका समर्थन करने की इच्छा जताई। एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में शिवानी राजा ने आतंकवादी हमलों का जवाब देने के लिए भारत की प्रशंसा की। उन्होंने ब्रिटेन और अन्य देशों से आतंकवाद की निंदा करने और इसके खिलाफ खड़े होने का आह्वान किया।

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ अपनी बैठक के बारे में उन्होंने कहा, हमने अभी-अभी भारत के वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल के साथ अपने पार्टी मुख्यालय में कंजर्वेटिव फ्रेंड्स ऑफ इंडिया के साथ एक गोलमेज सम्मेलन की मेजबानी पूरी की है। यह वास्तव में एक सकारात्मक बैठक थी, उस बैठक से बहुत कुछ सीखने को मिला। कुल मिलाकर यह वास्तव में सकारात्मक थी और हम भारत के साथ काम करने और आतंकवाद से निपटने के उनके प्रयासों में उनका समर्थन करने के लिए तत्पर हैं। जब भी हम आतंकवाद देखें, तो उसका विरोध करें उन्होंने कहा कि ब्रिटेन ने हमेशा आतंकवाद की निंदा की है। ब्रिटेन की शैडो विदेश मंत्री प्रीति पटेल ने पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले की निंदा की। शिवानी राजा ने कहा, ब्रिटेन ने हमेशा आतंकवादी हमलों की निंदा की है, चाहे वह पहलगाम में हो या दुनिया के किसी अन्य देश में। यह कोई अलग बात नहीं थी। प्रीति पटेल ने 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले की निंदा करने में कोई समय बर्बाद नहीं किया और मुझे लगता है कि इस दुनिया के नागरिक के रूप में चाहे आप राजनीति में हों या नहीं, हम सभी का कर्तव्य और जिम्मेदारी है कि जब भी हम आतंकवाद देखें, तो उसका विरोध करें। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के प्रयासों की सराहना की आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए शिवानी राजा ने कहा, मुझे लगता है कि भारत में होने वाले आतंकवादी हमलों का जवाब देने में भारत शानदार काम कर रहा है। ब्रिटेन और अन्य देशों को भी आतंकवाद की निंदा करने के लिए खड़े होने की जरूरत है। ब्रिटेन यही कर रहा है और आगे भी करता रहेगा। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में ब्रिटेन को क्या प्रयास करने चाहिए? उन्होंने कहा, हमें आतंकवादी हमलों की निंदा करनी चाहिए और आतंकवाद को जहां भी हम देखें, उसका विरोध करना चाहिए, चाहे वह किसी भी देश का हो। मैं यही कर रही हूं, मेरी पार्टी यही कर रही है और यहां की सरकार भी यही कर रही है।

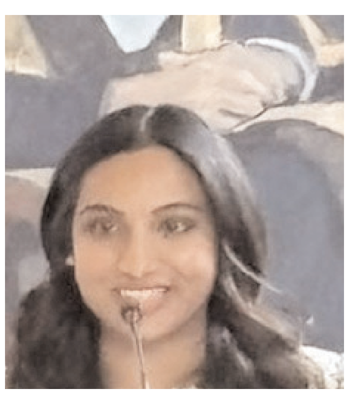

टमाटर मत खाना, अमेरिकी सरकार दे रही लोगों को सलाह, 14 राज्यों में दुकानों से भी हटवाया

वाशिंगटन, एजेंसी। इन दिनों अमेरिका के लोगों को टमाटर ना खरीदने और ना खाने की सलाह दी जा रही है। इसकी वजह है टमाटर के कई वैरायटी में खतरनाक बैक्टीरिया होने का पता चलना। देश की स्वास्थ्य एजेंसी फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन यानी एफडीए के अधिकारियों ने बताया है कि उन्हें आशंका है कि इन टमाटरों में साल्मोनेला हो सकता है। खबर सामने आने के बाद अमेरिका के 14 राज्यों में दो प्रकार के टमाटरों को दुकानों से हटवा दिया गया है। एफडीए ने इससे पहले 2 मई को एक आदेश जारी कर टमाटरों को वापस लेने का निर्देश जारी किया था। इसके बाद से स्थिति और बिगड़ती जा रही है। एफडीए ने अपने नए आदेश में लोगों से कहा, ÷एफडीए लोगों से अपील करता है कि जिन्होंने टमाटर खरीदे हैं, वे उन्हें न खाएं। वे या तो इसे वापस कर दें, या उसे फेंक दें।÷ अधिकारियों ने यह भी कहा है कि जिन लोगों ने प्रभावित टमाटर खाए हैं और उनमें कोई भी लक्षण दिखाए देते हैं, तो वे जल्द से जल्द अस्पताल में रिपोर्ट करें। एफडीए ने बताया है कि बैक्टीरिया से संक्रमित टमाटर तीन राज्यों में बेचे जा चुके थे। इनमें जॉर्जिया, नॉर्थ कैरोलिना और साउथ कैरोलिना शामिल है। एफडीए के अनुसार इन राज्यों में 23 अप्रैल से 28 अप्रैल के बीच दूषित टमाटर बेचे गए। हालांकि इसे खाने से अभी तक के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है, लेकिन अधिकारी लोगों से बेहद सावधानी बरतने की अपील कर रहे हैं। साल्मोनेला बैक्टीरिया कितना खतरनाक है? रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र के मुताबिक साल्मोनेला यह एक हानिकारक माइक्रोर्गेनिज्म है। गलती से इंसानों तक पहुंचने के बाद 12 से 72 घंटों के भीतर यह दस्त, बुखार और पेट में ऐंठन को ट्रिगर कर सकता है। जहां ज्यादातर लोग बिना इलाज के ठीक हो सकते हैं, वहीं बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर इम्युनिटी सिस्टम वाले लोगों में यह गंभीर और घातक संक्रमण का कारण बन सकता है। गर्भवती महिलाओं को भी खतरा है। एफडीए ने बताया है कि फ्रीजिंग और सुखाने से बैक्टीरिया की वृद्धि को रोका जा सकता है।

नेपाल में राजशाही समर्थक आंदोलन कुचलने की तैयारी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की सड़कों पर राजशाही की बहाली और हिंदू राष्ट्र की मांग को लेकर उठती आवाजें अब सरकार के निशाने पर हैं। बीते पांच दिनों से जारी इस आंदोलन के तेज होने से सत्ता के गलियारों में बेचैनी भी बढ़ा रही है। अब पीएम केपी शर्मा ओली की सरकार ने इस आंदोलन को कुचलने की खुली तैयारी कर ली है। काठमांडू के रिंग रोड क्षेत्र को दो महीने के लिए प्रतिबंधित घोषित कर दिया गया है। वहीं, राजशाही आंदोलन में शामिल राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) के दो शीर्ष नेता रवींद्र मिश्र और धवल शमशेर राणा समेत 61 लोगों पर सरकार ने मुकदमा भी दर्ज किया है। सभी 61 लोगों पर राज्य के खिलाफ अपराध, अशांति फैलाने और संगठित अपराध जैसे गंभीर आरोपों में केस दर्ज हुआ है।

कार्रवाई के डर से अंडरग्राउंड हुए आंदोलन के नेता मिश्र और राणा व अन्य बड़े नेता ओली सरकार की कार्रवाई से बचने के लिए अंडरग्राउंड हो चुके हैं। सूत्र बताते हैं कि ये नेता पार्टी की आंतरिक रणनीतिक बैठकों में शामिल हो रहे हैं, लेकिन सरकार की गिरफ्तारी की कार्रवाई से बचने के लिए अंडरग्राउंड हो गए हैं। इनके मोबाइल स्विच ऑफ हैं और बाकी कई नेताओं ने भी अपना संपर्क सीमित कर लिया है। आंदोलन का संचालन अब सोशल मीडिया, निजी चैनलों और पार्टी नेटवर्क से हो रहा है। आंदोलन के खिलाफ ओली की पार्टी समेत तीनों बड़े दल एकजुट पीएम ओली की सीपीएन-यूएमएल, नेपाली कांग्रेस व माओवादी केंद्र तीनों दलों ने मिलकर आंदोलन का मुकाबला करने का ऐलान किया है। सोमवार को सिंगदरबार स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में हुई बैठक में ओली, नेपाली कांग्रेस प्रमुख शेर बहादुर देउबा व माओवादी नेता पुष्पकमल दहल प्रचंड ने इस मुद्दे पर संयुक्त रुख अपनाने पर सहमति जताई। तीनों दलों ने यह स्पष्ट किया कि वे संविधान-लोकतंत्र विरोधी आंदोलन को सफल नहीं होने देंगे। पूर्व नेपाल नरेश झापा के 'मिनी पैलेस' में बना रहे रणनीति पूर्व नेपाल नरेश ज्ञानेंद्र शाह ने काठमांडू से दूरी बना ली है। वे झापा के दमक में 'मिनी पैलेस' में रह रहे हैं। दो हफ्ते वहीं रहेंगे। सूत्रों का कहना है कि वे निजी स्तर पर राजनीतिक मुलाकातें कर रणनीति बना रहे हैं। हालांकि उनके सचिवालय ने किसी भी औपचारिक राजनीतिक कार्यक्रम से इनकार किया है। प्रेस सचिव फणिन्द्र पाठक ने कहा, यात्रा पूव-निर्धारित है। वे झापा जाते रहते हैं। पूर्व राजकुमारी हिमानी व उनके बेटे सक्रिय पूर्व राजकुमारी हिमानी शाह ने राजशाही समर्थकों के साथ दीप जलाकर नारायणहिटी राजदरबार हत्याकांड की 23वीं बरसी पर श्रद्धांजलि दी। फोटोः प्रकाश चन्द्र तिमिल्सेना काठमांडू में रविवार को नारायणहिटी राजदरबार हत्याकांड की 23वीं बरसी पर राजशाही समर्थकों ने मोमबत्तियां जलाकर दिवंगत शाही परिवार को श्रद्धांजलि दी। इस कार्यक्रम की खास बात पूर्व राजकुमारी हिमानी शाह और उनके पुत्र हृदयेंद्र शाह की मौजूदगी रही। यह पहली बार है जब हालिया आंदोलन के दौरान शाही परिवार की सक्रियता सार्वजनिक रूप से सामने आई है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में हैरान कर देने वाली घटना

नगर निगम की मंजूरी के बिना ही ‘ऑपरेशन सिंदूर सर्कल’बन गया,सांसद मांग करते रह गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक अनोखी स्थिति देखने को मिली, जहां नगर निगम की अनुमति के बिना ही ‘ऑपरेशन सिंदूर सर्कल’ तैयार कर दिया गया। इस मुद्दे पर सांसद बार-बार मांग करते रहे, लेकिन उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया गया। यह घटना नगर निगम की कार्यप्रणाली और पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर रही है।

सूरत में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। नगर निगम की अनुमति के बिना ही किसी ने ‘ऑपरेशन सिंदूर सर्कल’ बना दिया और खुद नगर निगम को इसकी जानकारी तक नहीं थी। इस सर्कल के कई वीडियो भी वायरल हुए थे। हालांकि यह मामला तब चर्चा में आया जब सांसद ने खुद पत्र लिखकर ‘ऑपरेशन सिंदूर सर्कल’ तैयार करने की मांग की।

गौरतलब है कि कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों के ठिकानों को तबाह कर दिया था। भारतीय सेना की इस बहादुरी को ‘ऑपरेशन सिंदूर’ नाम दिया गया था। लेकिन अब भारतीय सेना की इस कार्रवाई का श्रेय लेने के लिए कई नेता आगे आ रहे हैं, और सूरत की यह घटना इसका उदाहरण बन गई है।

सूरत के सांसद मुकेश दलाल ने रांदेर क्षेत्र में ‘ऑपरेशन सिंदूर’ थीम पर एक सर्कल बनाने की मांग की थी। लेकिन हैरानी की बात यह है कि जिन स्थानों में से एक पर सर्कल बनाने की उन्होंने मांग की, वहां पहले से ही ‘ऑपरेशन सिंदूर सर्कल’ बना दिया गया था। इसको लेकर यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या यह श्रेय लेने की कोशिश थी या फिर सांसद की अनभिज्ञता।

बताया जा रहा है कि यह सर्कल भी नगर निगम की मंजूरी के बिना ही बनाया गया है, और इसी को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। सूरत महानगर पालिका ने बिना अनुमति के बनाए गए इस सर्कल के लिए संबंधित संस्था को नोटिस भेजा है, ऐसी चर्चाएं सामने आ रही हैं।

क्या है मामला ?

‘ऑपरेशन सिंदूर’ की सफलता के बाद देशभर में कई स्थानों पर तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही हैं और भारतीय सेना की सराहना की जा रही है। इसी कड़ी में सूरत के सांसद मुकेश दलाल ने नगर निगम को एक पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने रांदेर क्षेत्र में ‘ऑपरेशन सिंदूर’ ट्रैफिक सर्कल बनाए जाने की मांग की थी।

इस सर्कल में स्वदेशी हथियारों की आकृतियों को प्रदर्शित कर नागरिकों और युवा पीढ़ी में देशभक्ति और सेना के प्रति जागरूकता लाने का उद्देश्य बताया गया है। सांसद ने अडाजन प्राइम आर्केड, मोराभागल चार रास्ता, रांदेर-अडाजन के बड़े सर्कल या सूरत-हजीरा रोड पर ‘ऑपरेशन सिंदूर सर्कल’ बनाने की मांग की थी।

सूरत-हजीरा रोड पर हवेली इलाके के पास स्थित एक सर्कल पर सेना के जवानों के कटआउट, फाइटर प्लेन और “ऑपरेशन सिंदूर” नाम के साथ सर्कल बना दिया गया था। यह सर्कल सोशल मीडिया पर भी काफी वायरल हो रहा है और इस पर कई रील्स भी बनाई जा चुकी हैं। ऐसे में इसी स्थान पर सांसद द्वारा ऑपरेशन सिंदूर सर्कल बनाने के लिए लिखा गया पत्र अब लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया है।

सांसद द्वारा लिखे गए पत्र में ऑपरेशन सिंदूर ट्रैफिक सर्कल बनाने की मांग की गई है। इस सर्कल में स्वदेशी हथियारों की प्रतिकृतियाँ प्रदर्शित करके नागरिकों और युवा पीढ़ी में देशभक्ति और सैन्य सजगता के प्रति जागरूकता लाने का उद्देश्य बताया गया है।

लोग इतने “जागरूक” निकले कि बिना नगर निगम की किसी भी तरह की अनुमति लिए ही सर्कल बना डाला — ऐसी शिकायतें भी सामने आई हैं।

इस तरह सांसद द्वारा ऑपरेशन सिंदूर को लेकर लिखा गया पत्र और बिना अनुमति बना सर्कल — इन दोनों बातों को लेकर लोगों में चर्चा है कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर कई लोग “बहती गंगा में हाथ धोने” के लिए प्रसिद्धि की होड़ में निकल पड़े हैं।

देश के लिए गौरव का समय,भारतीय मेडटेक स्टार्ट-अप को न्यूयॉर्क के नास्दाक पर किया गया सूचीबद्ध

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नई दिल्ली, 4 जून, 2025: विश्वस्तरीय मंच पर भारतीय मेडिकल टेक्नोलॉजी को नया आयाम देते हुए स्वदेशी एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम का निर्माता एसएस इनोवेशन्स आज न्यूयॉर्क सिटी में नास्दाक मार्केट साईट के साथ जुड़ गया है। कंपनी के शेयर्स को टिकर सिंबल ‘एसएसआईआई’ के तहत सूचीबद्ध किया गया है।

कार्यक्रम का नेतृत्व एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल के संस्थापक, चेयरमैन एवं सीईओ डॉ सुधीर श्रीवास्तव ने किया। उनके साथ कंपनी की मैनेजमेन्ट टीम, बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के सदस्य, मुख्य सलाहकार और विशेष अतिथि भी मौजूद रहे। यह उपलब्धि भारत के लिए गौरव का पल है, जो आधुनिक मेडिकल टेक्नोलॉजी में देश के बढ़ते नेतृत्व तथा भारतीय मूल के स्वास्थ्यसेवा समाधानों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिल रही लोकप्रियता की पुष्टि करती है।

एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल ने अपने चिकित्सकीय रूप से प्रमाणित एवं पेटेंटेड एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम के साथ उल्लेखनीय प्रगति की है, जिसे देश भर की 75 लोकेशनों में 80 अस्पतालों में इंस्टॉल किया जा चुका है। कंपनी ने नेपाल, इक्वाडोर, ग्वाटेमाला, फिलीपीन्स, इंडोनेशिया, श्री लंका और युक्रेन में अंतर्राष्ट्रीय मौजूदगी भी स्थापित की है। 100 से अधिक सर्जिकल प्रक्रियाओं में 4000 से अधिक रोबोटिक सर्जरियों को सफलतापूर्वक अंजाम देने के बाद एसएसआई मंत्रा ने किफ़ायती एवं आधुनिक रोबोटिक सर्जरी को बड़ी संख्या में मरीज़ों तक पहुंचाया है। आने वाले समय मेंयूरोप और यूएस में विस्तार की योजनाओं के साथ एसएस इनोवेशन्स ने मेडिकल रोबोटिक्स के क्षेत्र में अपने आप को ग्लोबल लीडर के रूप में स्थापित कर लिया है तथा दुनिया भर में हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी को आकार देने में भारत की भूमिका को मजबूत बनाया है।

एवएस इनोवेशन्स को नासदाक पर सूचीबद्ध किए जाने पर खुशी व्यक्त करते हुए संस्थापक, चेयरमैन एवं सीईओ डॉ सुधीर श्रीवास्तव ने कहा, “आज का यह आयोजन एसएस इंटरनेशनल में सभी के लिए गर्व का अवसर है, हम अप्रैल 2025 में नास्दाक पर सफल लिस्टिंग का जश्न मना रहे हैं। यह उपलब्धि एसएसआई मंत्रा के विकास में हमारी टीम के समर्पण को दर्शाती है। इस आधुनिक, किफ़ायती एवं विश्वस्तरीय रोबोटिक सिस्टम को भारत में डिज़ाइन और निर्मित किया गया है।

हम 100 से अधिक प्रकारों में 4000 से अधिक रोबोटिक प्रक्रियाओं को सफलतापूर्वक पूरा कर चुके हैं, जिनमें जटिलताओं, चोटों एवं मृत्यु के मामले शून्य रहे हैं। ये आंकड़े सिस्टम की सटीकता और सुरक्षा की पुष्टि करते हैं। न सिर्फ भारत में बल्कि छह अन्य देशों में सर्जन एसएसआई मंत्रा को खूब पसंद कर रहे हैं। हमने इसे युरोपीय संघ एवं यूएस जैसे विश्वस्तरीय बाज़ारों में विस्तार करने की योजनाएं बनाई हैं। हमारा मिशन एकदम स्पष्ट है हम भारत की स्वदेशी आधुनिक एवं किफ़ायती रोबोटिक सर्जरी को दुनिया भर के मरीज़ों तक पहुंचाना चाहते हैं।’

एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल ने 31 दिसम्बर 2024 को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान प्रभावशाली बढ़ोतरी दर्ज की, कंपनी का पिछले साल का राजस्व 5.9 मिलियन डॉलर था जो 3.5 गुना बढ़कर 20.6 मिलियन डॉलर पर पहुंच गया। सकल मार्जिन भी 2023 में 12.3 फीसदी था जो बढ़कर 40.9 फीसदी पर पहुंच गया। ये आंकड़े कंपनी के मजबूत वित्तीय प्रदर्शन तथा मार्केट में बढ़ती मौजूदगी को दर्शाते हैं।

एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल को नास्दाक पर सूचीबद्ध किया जाना भारत की हेल्थकेयर यात्रा में ऐतिहासिक क्षण है। यह उपलब्धि आधुनिक किफ़ायती टेक्नोलॉजी एवं को बड़ी संख्या में मरीज़ों तक पहुंचाने और सर्जिकल केयर में बदलाव लाने की एसएसआई की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

**एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल को नास्दाक पर सूचीबद्ध किया गया, यह उपलब्धि आधुनिक मेडिकल टेक्नोलॉजी में भारत के बढ़ते विश्वस्तरीय नेतृत्व को दर्शाती है
**एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम को अब न सिर्फ भारत बल्कि नेपाल, इक्वाडोर, ग्वाटेमाला, फिलीपीन्स, इंडोनेशिया और युक्रेन में मार्केटिंग के लिए अनुमोदन मिल गया है
**एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल का राजस्व 2024 में 3.5 गुना बढ़कर 20.6 मिलियन डॉलर पर पहुंच गया। सकल मार्जिन बढ़कर 40.9 फीसदी पर पहुंच गया।
**एसएस इनोवेशन्स ने भारत में दुनिया के लिए निर्मित एसएसआई मंत्रा के द्वारा टेक्नोलॉजी इनोवेशन में भारत की स्थिति को मजबूत बनाया है

अगर नाला बंद होता तो मेरा भाई ज़िंदा होता

सूरत हजीरा में ONGC कंपनी के पास खुले नाले में गिरने से बाइक चालक की मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के छोर पर स्थित हजीरा में ONGC कंपनी के पास खुले नाले में गिरने से बाइक चालक की मौत हो गई थी। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसके साथ ही परिवार के लोगों ने खुले नाले के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और नाले में रासायनिक पदार्थ डालने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

कवास में रहने वाला और एक ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनी में काम करने वाला युवक 29 मई 2025 की रात बाइक के साथ खुले नाले में गिर गया था। दूसरी तरफ, देर रात तक युवक घर वापस न आने पर परिवार वालों ने भी उसकी तलाश शुरू की थी। हालांकि, 30 मई की सुबह स्थानीय लोगों ने खुले नाले में बाइक के साथ युवक के शव को देखा और तुरंत फायर विभाग तथा पुलिस को सूचित किया। घटना स्थल पर पहुंची फायर विभाग की टीम ने युवक के शव को नाले से बाहर निकालकर सिविल अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मिली जानकारी के अनुसार, कवास के धर्मनंदन सोसाइटी में रहने वाले और स्विगी कंपनी में डिलीवरी बॉय के रूप में नौकरी करने वाले सुभाषचंद्र अपने घर की ओर वापस जा रहे थे। इसी दौरान हजीरा के पास ONGC कंपनी के सर्विस रोड पर खुले नाले में सुभाषचंद्र बाइक के साथ गिर गए। खुले नाले में बाइक के साथ गिरने से सुभाषचंद्र को गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दूसरी तरफ, देर रात तक घर वापस न न पहुंचने पर सुभाषचंद्र के परिवार वालों ने उनकी तलाश शुरू की। कड़ी खोजबीन के बाद भी सुभाषचंद्र का कोई पता नहीं चल सका।

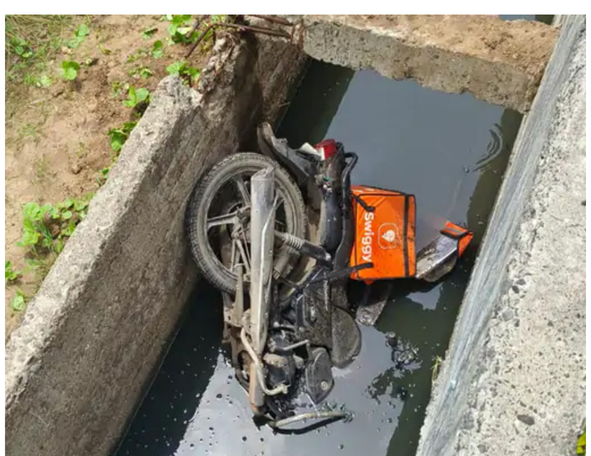

30 मई, 2025 की सुबह स्थानीय लोगों ने खुले नाले में बाइक के साथ युवक को देखा और तुरंत स्थानीय पुलिस एवं फायर विभाग को सूचित किया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंच गई। फायर विभाग की टीम ने तत्परता से युवक के शव को नाले से बाहर निकाला। बाद में युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेजा गया और पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की जांच करेगी।

इस घटना के सीसीटीवी फुटेज में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि कैसे एक खुले नाले ने जानलेवा स्थिति पैदा कर दी। इस नाले को ढकने में प्रशासन द्वारा दिखाई गई लापरवाही के कारण एक युवक ने अकाल मौत का सामना किया है। इस घटना के बाद परिवारजन और स्थानीय लोग गहरे आक्रोश में हैं और वे प्रशासन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

भाई ने कहा - SMC के अधिकारियों और केमिकल डालने वालों के खिलाफ कार्रवाई करें।

मृत युवक के भाई इंद्राजसिंह ने बताया कि अगर नाला बंद होता तो आज मेरा भाई जिंदा होता। साथ ही उन्होंने कहा कि नाले से केमिकल डालने की भी बदबू आती थी। नाला खुला होने के कारण पहले भी ऐसी दो-तीन घटनाएं हो चुकी हैं। पालिका द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। इस खुले नाले के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की हमारी मांग है। साथ ही इस नाले में जो केमिकल डाला जा रहा है, उसके खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए।

उल्लेखनीय है कि इच्छापोर पुलिस ने इस मामले में आगे की जांच शुरू कर दी है। इस घटना ने फिर एक बार शहर में खुले नालों और सड़कों की रखरखाव में कमी का मुद्दा उजागर कर दिया है। नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन द्वारा तुरंत कदम उठाए जाने की उम्मीद है।

टिकट चोरी की कुप्रथा से SMC को बड़ा नुकसान

यात्रियों के साथ दुराचार करने वाले 1032 कंडक्टर्स को 17 महीनों में ब्लैकलिस्ट किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम के भाजपा शासक स्वयं-संज्ञान (सुओ मोटो) प्रस्ताव पारित कर निगम के प्लॉट भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं को किराए पर दे रहे हैं। भाजपा शासकों की इस नीति के चलते नगर निगम को राज्य मानवाधिकार आयोग के समक्ष उपस्थित होना पड़ेगा। सूरत नगर निगम प्लॉट का आवंटन छह महीने के लिए करता है, लेकिन सस्ते किराए पर प्लॉट लेने वाले भाजपा नेता इन प्लॉटों को उपकिरायेदारों को पाँच वर्षों तक किराए पर देने का दावा कर रहे हैं। जिसके चलते आने वाले दिनों में नगर निगम की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

सूरत शहर भाजपा के वर्तमान अध्यक्ष और तत्कालीन स्थायी समिति अध्यक्ष ने नगर निगम की आमदनी के नाम पर भाजपा कार्यकर्ताओं को सेट करने के लिए प्लॉटों का आवंटन शुरू किया था, जो अब लाभ का धंधा बन गया है। पहले तो आसपास के लोग परेशान थे, लेकिन अब यह प्लॉट आवंटन स्वयं नगर निगम के लिए भी मुसीबत बनता जा रहा है।

हाल ही में पुणे के एक समाजसेवक ने आरोप लगाया कि नगर सीमा विस्तार से छह साल पहले इस क्षेत्र में प्रारंभिक टी.पी. योजना घोषित हो चुकी थी, फिर भी अब तक पर्याप्त चौड़ाई वाली सड़कें नहीं बनाई गई हैं। इसके अलावा, लोगों को सार्वजनिक शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं भी नहीं मिल रही हैं। शांतिकुंज जैसी सुविधाएं भी नहीं दी गई हैं। दूसरी ओर, आरक्षित खुले प्लॉट किराए पर दिए जा रहे हैं, और फूड जोन चलाने वाले भारी कमाई कर रहे हैं। इस प्रकार की याचिका के बाद आयोग ने नगर निगम को उपस्थित रहने का निर्देश दिया है।

सूरत नगर निगम के भाजपा शासकों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में छह महीने के लिए नगर निगम के प्लॉट भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को किराए पर दिए हैं। खासकर आउटर रिंग रोड जैसी प्रमुख लोकेशन पर बड़े-बड़े प्लॉट पानी के भाव पर दे दिए गए हैं। इनमें से एक प्लॉट भाजपा नेता को आवंटित किया गया है, और वह भी केवल छह महीने की अवधि के लिए। यह प्लॉट समतल नहीं था, लेकिन जिन लोगों को यह किराए पर दिया गया, उनसे कहा गया कि वे अपने खर्च पर

प्लॉट को समतल करवाएं।

इसके बाद उन नेताओं ने पांच साल के लिए प्लॉट किराए पर देने की गारंटी दे दी है। जबकि नगर निगम केवल छह महीने के लिए ही प्लॉट किराए पर देता है, फिर भी भाजपा नेता प्लॉट के लिए पांच साल की गारंटी दे रहे हैं - यह बात अब लोगों में चर्चा का विषय बन गई है। भाजपा शासकों की इस तरह की मनमानी प्लॉट किराए पर देने की नीति निकाय के लिए आने वाले समय में बड़ी मुसीबत खड़ी कर सकती है।

विश्वविद्यालय फैकल्टी के लिए वर्कशॉप का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,भगवान महावीर कोलेज ओफ कोमर्स ऍंड मेनेजमेंट, भगवान महावीर विश्वविद्यालय में फैकल्टी के लिए वर्कशोप का आयोजन बुधवार को किया गया।

निदेशक डॉ. चेता देसाई ने बताया की वर्कशॉप में मुख्य वक्ता जयंतीप सोजित्रा ने आत्मविश्लेषण, व्यवहारशैली एवं व्यावसायिक जीवन में उसकी महत्ता को रोचक एवं संवादात्मक शैली में प्रस्तुत किया। वर्कशॉप में प्रोवोस्ट डॉ. निर्मल शर्मा ने शिक्षकों को अपने प्रेरणादायक विचारों से लाभान्वित किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अपने व्यक्तित्व को पहचानना एवं उसी अनुसार व्यवहार करना सीखना था। ऐसे आयोजन से शिक्षक समुदाय के सर्वांगीण विकास में सहयोग प्रदान करते है। इस अवसर पर कॉलेज के विभिन्न विभागों से आये हुए फैकल्टी मेंबर्स ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. चेता देसाई द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।